मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित

facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com

इंदौर, शुक्रवार, 03 मई 2024

नगर संस्करण, वर्षः 04, अंकः 251, पृष्ठ : 08, मूल्यः 5.00 रुपए

शिवराज बोले- सिंधियाजी के कारण शुरू हुई 'लाड़ली बहना'

ईसागढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री बोले- सिंधियाजी के फैसले के कारण ही मैं चौथी बार मुख्यमंत्री बना

अशोकनगर। ज्योतिरादित्य सिंधिया के फैसले के कारण ही मैं चौथी बार मुख्यमंत्री बना, यदि मैं मुख्यमंत्री न बनता तो लाड़ली बहना योजना न चलती और आपके खातों में पैसे न आ रहे होते। यह बात भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार दोपहर अशोकनगर जिले के ईसागढ़ में गुना संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा कही।

सिंधिया के समर्थन में बोलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंधियाजी ने अगर भाजपा में आने का फैसला नहीं लिया होता तो किसानों को एक्सट्रा छह हजार रुपए न आ रहे होते। चौहान ने कहा कि सिंधियाजी व अन्य सब के कहने से विकास के काम जो यहां सरकार ने किए, वह नहीं होते।

शिवराज सिंह चौहान ने सिंधिया की तारीफ करते हुए कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया अच्छे जन नेता और कुशल प्रशासक है और हमेशा क्षेत्र के विकास के काम कराने के प्रयास में जुटे रहते हैं।

राम मंदिर बना, सब खुश, मगर कांग्रेस रो रही थी

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने ईसागढ़ में सभा के दौरान कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भगवान राम का मंदिर बना तो सबको खुशी हुई, पूरा देश खुश था, दीपक जलाए गए और पताकाएं लहराई गईं, रंगोली सजाई गईं, पूरा देश प्रसन्न था। लेकिन एक पार्टी रो रही थी वह है कांग्रेस। कांग्रेस की हालत यह हो गई है कि न तो ढ़ोल में बची और न नगड़िया में। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि निमंत्रण कांग्रेस को भी मिला कि दिव्य और भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हो रहे हैं आप भी पधारिए, तो कांग्रेस को जाना चाहिए था या नहीं, लेकिन खोपड़ी में मंथरा सवार हो गई। जाको प्रभु दारुण दुख देही, ताकि मति पहले हर लेही, विनाशकाले विपरीत बुद्धि, कह दिया हम नहीं जाएंगे। लिखकर दिया ऑन रिकॉर्ड कि नहीं जाएंगे, जब तक यह धरती, सूरज-चंद्रमा रहेंगे तब तक लिखा रहेगा कि कांग्रेस ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का भी बहिष्कार किया था, क्या ऐसी पार्टी को वोट दोगे। शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि जब मटका खरीदने जाते हो तो ठोक-पीटकर देखते हो कि अच्छा है या नहीं, सब्जी खरीदने जाते हो तो देखते हो कि सड़ी-गली तो नहीं है। यह तो प्रधानमंत्री का पद है, इसे नहीं देखोगे कि कौन बैठना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री तो नरेंद्र मोदी तय हैं, कांग्रेस के तय हैं क्या, इंडी गठबंधन के तय हैं क्या। कांग्रेस के कौन हैं बता तो दो हमें, धन्नू, पन्ना, कल्ला, लल्लू, मुन्ना, जुम्मन कोई तो नाम बता दो, जनता से कहा क्या आंख बंद करके ऐसे ही वोट दे दोगे। एक्स सीएम ने कहा कि नरेंद्र मोदी एक वैभवशाली, संपन्न, समृद्ध और शक्तिशाली भारत का निर्माण कर रहे हैं, और मैं ऐलान करता हूं कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरू बनेगा, कोई रोक नहीं सकता।

ब्रीफ न्यूज़

'जाओ फांसी लगा लो', ऐसा कहना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने चर्च के पादरी की मौत के मामले में अहम टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि केवल ऐसा कहना कि 'जाओ फांसी लगा लो', आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रयास नहीं माना जा सकता। अदालत में जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने विवादास्पद बयानों से जुड़े मामलों में आत्महत्या के लिए उकसाने की मंशा से जुड़े जटिल सवाल पर स्पष्ट किया कि जाओ फांसी लगा लो जैसा बयान फांसी के लिए उकसाने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। तटीय कर्नाटक के इस मामले में याचिकाकर्ता पर आरोप है कि उसने उसकी पत्नी के साथ कथित संबंधों को लेकर पादरी से आक्रामक बहस की। खबर के मुताबिक पादरी के साथ आक्रामक बहस के दौरान उसने आवेश में पादरी से पीछा छुड़ाने के लिए 'जाओ फांसी लगा लो' जैसे कथन का इस्तेमाल कर डाला। बचाव पक्ष के वकील ने कहा कि पादरी ने केवल उनके मुवक्किल के कहने पर ही आत्महत्या जैसा कदम उठाया। ऐसा नहीं माना जा सकता। वकील ने अदालत से कहा कि 'जाओ फांसी लगा लो' जैसे कथन का इस्तेमाल बीवी के अफेयर की जानकारी मिलने पर गुस्से और हताशा के कारण हुआ। बचाव पक्ष ने अदालत में कहा कि पादरी इस बात से डरा हुआ था कि उसके प्रेम-प्रसंग की बात सार्वजनिक होते ही उसकी प्रतिष्ठा मिट्टी में मिल जाएगी। इस कारण उसने मौत को गले लगाने जैसा खौफनाक कदम उठाया। न कि केवल उनके मुवक्किल के जाओ फांसी लगा लो कहने पर।

प्लेन की सीट में थी खराबी, अब सिंगापुर एयरलाइन देगी हर्जाना

नई दिल्ली। सिंगापुर एयरलाइंस को बिजनेस क्लास में ऑटोमैटिक रिक्लाइनर सीटों में खराबी के कारण एक भारतीय दंपती को 2 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रवि गुप्ता और उनकी पत्नी ने एयरलाइन के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, बिजनेस क्लास की सीटों के लिए 66,750 रुपये का भुगतान करने के बावजूद, उन्हें स्वचालित रिक्लाइन सुविधा से लैस सीटों को मैन्युअल रूप से एडजस्ट करने के लिए कहा था। 23 मई, 2023 को गुप्ता और उनकी पत्नी हैदराबाद से सिंगापुर होते हुए ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। दंपती द्वारा दायर शिकायत के अनुसार, एयरलाइन के बिजनेस क्लास में रिक्लाइनर सीटें ठीक नहीं हुईं और एयरलाइन ने उन्हें सीटों को मैन्युअल रूप से एडजस्ट करने के लिए कहा। अपने टिकटों के लिए पर्याप्त राशि का भुगतान करने के बावजूद अपने उड़ान अनुभव पर असंतोष व्यक्त करते हुए, गुप्ता ने कंपनी से इसकी शिकायत की तो उन्हें मुआवजे के रूप में 10,000 फ्रीक्वेंट फ्लायर मील या लॉयल्टी पॉइंट की पेशकश की गई। हालांकि, दंपति ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और कानूनी कार्रवाई करने का विकल्प चुना। अब तेलंगाना में जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने भारतीय दंपति के पक्ष में फैसला सुनाया और सिंगापुर एयरलाइंस को उन्हें (दंपती को) कथित मानसिक पीड़ा के एवज में 2,13,585 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया।

लोकसभा चुनाव में गरमाया हुआ है शिप्रा नदी के शुद्धिकरण का मुद्दा, उज्जैन से कांग्रेस प्रत्याशी महेश परमार के सवाल उठाने के बाद डॉ. मोहन यादव ने अपने तरीके से दिया जवाब

शिप्रा नहीं मैली... सीएम ने लगाई डुबकी आचमन भी किया

उज्जैन। मोक्षदायिनी शिप्रा नदी शुद्धिकरण का मुद्दा लोकसभा चुनाव में गरमाया हुआ है। बीते सप्ताह रामघाट पर पानी की पाइप लाइन फूटने और सीवेज चैंबर ओवरफ्लो होने से गंदा पानी शिप्रा में मिला था। इसके बाद कांग्रेस आक्रामक हुई। कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी महेश परमार ने नदी में डुबकी लगाकर भाजपा को घेरा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अरबों रुपया खर्च करने के बाद भी नदी के ये हाल हैं। तब भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया ने इसे नौटंकी करार दिया था। अब गुरुवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन पहुंचकर पलटवार किया। सीएम डॉ.यादव उज्जैन पहुंचे तो सबसे पहले वे शिप्रा नदी के अखाड़ा घाट पर पहुंचे। यहां उन्होंने नदी में डुबकी लगाई और फिर तैराकी की। इसी के साथ शिप्रा जल से आचमन किया। सीएम ने कहा कि उज्जैन की पहचान मां क्षिप्रा से है। हमारी परंपरा है, स्नान के बाद तीर्थ की महत्ता बढ़ाएं, लेकिन बड़ा दुख होता है कि कुछ लोग शिप्रा पर सवाल उठाते हैं। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस प्रत्याशी का नाम लिए बगैर कहा कि यह मां (शिप्रा) का तट है।

कई दिनों से चल रहा यह मुद्दा

कई दिनों से शिप्रा नदी को लेकर राजनीतिक मुद्दा चल रहा था। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि शिप्रा में गंदे नाले मिलते हैं और कान्हा नदी की गंदगी मिलती रहती है। इन्हीं आरोपों के बीच मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उज्जैन पहुंचे और शिप्रा नदी में स्नान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मां क्षिप्रा का पूजन-अर्चन कर चुनरी चढ़ाई। मुख्यमंत्री ने उन लोगों पर निशाना साधा जो लोग चुनावी राजनीति के लिए नदी के प्रदूषण का मुद्दा उठाकर मां क्षिप्रा पर सवाल उठा रहे हैं।

अपने तीर्थ की महत्ता बढ़ाएं

स्नान के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन की पहचान मां क्षिप्रा से है। बाबा महाकाल की इस नगरी में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास है। मां शिप्रा के पावन तट पर हमारी परंपरा है कि स्नान के बाद यहां अपने तीर्थ की महत्ता बढ़ाएं। बड़ा दुख होता है कि कभी-कभी लोग मां क्षिप्रा पर प्रश्न करते हैं। हम सब जानते हैं कि यह मां का तट है। इसकी पवित्रता बनाकर रखना चाहिए।

भाजपा सरकार के कारण ही शिप्रा में पानी

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि नदी में स्नान करने का आनंद ही अलग है। भाजपा सरकार के कारण ही आज शिप्रा में 12 महीने पानी उपलब्ध रहता है। आज से 20 साल पहले नवंबर-दिसंबर में ही पानी खत्म हो जाता है। अब ऐसी व्यवस्था है कि जब चाहो नर्मदा से पानी आ जाता है। सीएम डॉ यादव ने कहा कि ऐसा माना जाता है कि मां क्षिप्रा के कारण ही बाबा महाकाल यहां अपना धाम बनाए हुए हैं। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक सर्वाधिक महत्व की दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। यहां पर हर किसी के मन की मुराद पूरी होती है। दुनिया में बड़े से बड़े परिवर्तन जब कभी हुए हैं तो उज्जैन से उनका संबंध जरूर आता है।

पीएम मोदी ने गुजरात में की सभाएं, राहुल पर प्रत्यक्ष किया हमला, वहीं राहुल गांधी ने कर्नाटक में देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना को लेकर मोदी को घेरा

शहजादे को पीएम बनाने पाकिस्तान उतावला: मोदी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गुजरात के आणंद में चुनाव प्रचार किया। इस प्रचार के दौरान उन्होंने शास्त्री मैदान में एक रैली को भी संबोधित किया। रैली में उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि पूरा देश आज विश्वास के साथ कह रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कांग्रेस के 60 वर्षों के कार्यकाल से भाजपा के 10 वर्षों के कार्यकाल की तुलना की। पीएम मोदी ने इस दौरान कांग्रेस के कार्यकाल को शासनकाल कहा। रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस को पाकिस्तान का मुरीद बताया है। उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है।

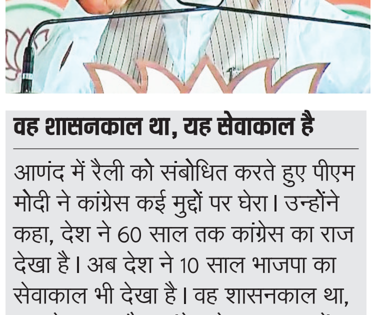

वह शासनकाल था, यह सेवाकाल है

आणंद में रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस कई मुद्दों पर घेरा। उन्होंने कहा, देश ने 60 साल तक कांग्रेस का राज देखा है। अब देश ने 10 साल भाजपा का सेवाकाल भी देखा है। वह शासनकाल था, यह सेवाकाल है। कांग्रेस के 60 साल में करीब 60 फीसदी ग्रामीण आबादी के पास शौचालय नहीं था। 10 साल में भाजपा सरकार ने शत-प्रतिशत टॉयलेट बना दिए। 60 साल में कांग्रेस देश में सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण घरों तक ही नल से जल की सुविधा पहुंचा पाई, यानी कि 20 प्रतिशत से भी कम घरों में। 10 साल में ही नल से जल पहुंचने वाले घरों की संख्या आज 14 करोड़ हो गई है, यानी 75 फीसदी घरों में नल से जल पहुंचा है।

बलात्कारी के लिए वोट मांग रहे पीएम मोदी: राहुल

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर बलात्कारी के लिए वोट मांगने का आरोप लगाया और कहा कि यही है मोदी की गारंटी। राहुल गुरुवार को कर्नाटक के शिवमोगा में चुनाव प्रचार कर रहे थे। मामला जेडीएस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना से जुड़ा है। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस साथ चुनाव लड़ रही हैं। प्रज्वल पर कई महिलाओं ने रेप और अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। इस मामले में केस दर्ज हो चुका है और प्रज्वल विदेश जा चुके हैं। मोदी महज 18 दिन पहले 14 अप्रैल को इसी प्रज्वल के समर्थन में मैसूर में रैली कर रहे थे। तब मोदी ने कहा था, आज भारतीय राजनीति में देवगौड़ा सीनियर मोस्ट नेता हैं। उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना बहुत बड़ा सौभाग्य है।

मोदी को महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए

मोदी के प्रज्वल रेवन्ना के समर्थन में प्रचार का हवाला देते हुए राहुल ने कहा, कर्नाटक में सबसे बड़ा इश्यू प्रज्वल रेवन्ना का है। पीएम मोदी ने उसके समर्थन में प्रचार किया है। उसने (प्रज्वल ने) 400 महिलाओं का मास रेप किया है। पीएम मोदी को इसका जवाब और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। राहुल ने कहा, प्रज्वल रेवन्ना 400 महिलाओं का रेप करता है, वीडियो बनाता है। इसे मास रेप (कइयों के साथ दुष्कर्म) कहा जाता है। कर्नाटक में मंच पर प्रधानमंत्री मास रेपिस्ट का समर्थन कर रहे हैं।

यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण सिंह का टिकट कटा

कैसरगंज से भाजपा ने बेटे करण भूषण सिंह पर जताया भरोसा

गोंडा। यूपी की चर्चित लोकसभा सीट कैसरगंज पर भाजपा प्रत्याशी को लेकर बना सस्पेंस खत्म हो गया है। इस सीट से मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह चुनाव नहीं लड़ेंगे। भाजपा ने उनके छोटे बेटे करण भूषण को टिकट दिया है। इसका ऐलान कर दिया गया है। इसके पहले, टिकट का आश्वासन मिलने के बाद करण भूषण ने अपने पिता व वर्तमान सांसद बृजभूषण शरण सिंह से आशीर्वाद लिया और उनके पैर छुए। आशीर्वाद लेने के दौरान बृजभूषण ने अपने समर्थकों से करण भूषण सिंह को प्रत्याशी बनाए जाने की बात बताई और क्षेत्र में प्रचार करने की बात कही। करण भूषण शुक्रवार सुबह 11 बजे नामांकन दाखिल करेंगे। कैसरगंज सीट पर बृजभूषण की मजबूत पकड़ है। ऐसे में पहले से ही कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा उनके किसी परिजन को टिकट दे सकती है। बृजभूषण खुद भी चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन महिला पहलवानों द्वारा गंभीर आरोप लगाए जाने से उनकी उम्मीदवारी खतरे में पड़ गई। बीते दिनों सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने बयान दिया था कि कैसरगंज का नाम हिंदुस्तान ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में महक रहा है। जहां तक टिकट की बात है तो हमारे क्षेत्र में कार्यकर्ता चैतन्य हैं, पार्टी चुप है। बरात सजी है, लेकिन दूल्हा गायब है। लेकिन मेरा दावा है कि यदि भाजपा हाईकमान एक घंटा पहले भी घोषित कर देगी तो बड़ी जीत के साथ दिल्ली पहुंचेंगे। इस सीट में पांचवें चरण में मतदान होगा।

स्कूल में तिलक लगाने से रोका तो भड़के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

इंदौर। इंदौर में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा चल रही है। कथा में एक महिला ने पहुंचकर एक स्कूल की शिकायत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से की। महिला ने धीरेंद्र शास्त्री को बताया कि मदरलैंड स्कूल में बच्चों को हाथ पर कलावा बांधने और माथे पर तिलक लगाने से रोका जाता है। इस शिकायत पर धीरेंद्र शास्त्री ने खुले मंच से कहा कि स्कूल वालों से कहना कि तुम्हें भारत में स्कूल चलाना है या वेस्टइंडीज में। इस मामले को लेकर गुरुवार को हिंदू संगठन के कार्यकर्ता भी स्कूल पहुंच गए और स्कूल संचालक की सदबुद्धी के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया। दरअसल, इंदौर के स्कीम नंबर 78 में स्थित मदरलैंड स्कूल में की महिला टीचर संध्या ने किसी बच्चे को स्कूल में तिलक लगाकर आने और हाथ में कलावा पहनने पर डांटा था, जिसके बाद बच्चों ने यह बात अपने परिजनों को बताई। इंदौर के कनकेश्वरी धाम में चल रही पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा में परिजनों ने यह बात सत्संग के दौरान बताई, जिसके बाद धीरेंद्र शास्त्री ने खुले मंच से कहा कि स्कूल वालों से कहना की तुम्हें भारत में स्कूल चलाना है या वेस्टइंडीज में।

भारत संविधान से चलता है

शास्त्री ने पांडाल में मौजूद हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं से कहा कि स्कूल वालों से जाकर प्रार्थना जरुर करना अथवा कानूनी कार्रवाई करवाना। शास्त्री ने आगे कहा कि भारत में सभी को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। भारत संविधान से चलता है। मदरलैंड वालों की औकात से नहीं चलता है। शास्त्री ने महिला टीचर को लेकर कहा कि नाम संध्या है लेकिन पूरी रात है। वहीं गुरुवार को हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मदरलैंड स्कूल पहुंचे और स्कूल संचालकों की सदबुद्धी के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया।

दिव्य दरबार लगाया

बागेश्वरधाम सरकार पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने इंदौर के मां कनकेश्वरी मैदान में दिव्य दरबार लगाया। सात दिवसीय भागवत के दौरान लगे उनके दिव्य दरबार में एक लाख से अधिक लोग पहुंचे। उन्होंने कई भक्तों की परेशानियों को दूर करने के लिए उन्हें कई उपाय बताए। सबसे पहले अजय नामक युवक की अर्जी पर सुनवाई हुई। बागेश्वर धाम ने छात्र अजय से कहा कि आपकी सिविल सर्विसेज के 100 प्रतिशत योग हैं लेकिन आप अभी प्रेम के चक्कर से बचकर रहें। अजय का सवाल था कि गुरु जी आप मेरे सपने में आते हैं मैं नौकरी चाहता हूं, धर्म विरोधी लोगों की टटरी बांधे, पंडित शास्त्री ने समाधान लिखकर कहा कि जल्द ही नौकरी लगेगी, सनातन के लिए हमेशा कार्य करते रहे।

लाइलाज बीमारी ठीक करने का आश्वासन दिया

दिव्य दरबार में पं. शास्त्री ने एक महिला को बुलाया जिसके पैरों में तकलीफ थी। शास्त्री ने उसे चलने को कहा तो उसने चलने का प्रयास किया और थोड़ चल सकी। इसके बाद शास्त्री ने कहा कि हम मंत्र चिकित्सा से इसे ठीक करेंगे, तुम्हारे पैरों की नसों की सिकुड़न है, यह लाइलाज है, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। महिला को भभूति दी और कहा कि इससे रोज तुम्हें मालिश करना है। आज से तुम्हें किसी सहारे की जरूरत नहीं है।

युवती को करियर की जानकारी दी

पं. शास्त्री ने दरबार में एक युवती को बुलाया, युवती ने करियर और माताजी को लेकर सवाल पूछा। उन्होंने युवती को बताया की आपके जीवन में क्लेश है, निजी करियर को लेकर मन भी विचलित है। माताजी का ऑपरेशन भी नहीं हो रहा है इसका भी आपको तनाव है। पं. शास्त्री ने युवती को भी उपाय बताए।

यूनिवर्सिटी में स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षा में पकड़ाए 175 नकलची

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में नकल प्रकरण में कमी देखी गई है। स्नातक अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के दौरान 175 नकलची पकड़ाए है। यह प्रकरण केंद्रों पर उड़नदस्ता दल और आब्जर्वर ने बनाए है। वैसे अधिकांश मामलों में चेकिंग के समय नकल सामग्री जब्त की गई। अब इनकी सुनवाई नकल समिति अगले महीने करेंगी। अधिकारियों के मुताबिक कोरोनाकाल के बाद विद्यार्थियों ने पढ़ने में रूचि दिखाई है। साथ ही केंद्रों पर सख्ती बरती गई है। 5 मार्च से बीए, बीकाम, बीएससी, बीएचएससी, बीए पत्रकारिता सहित अन्य पाठ्यक्रम की अंतिम वर्ष की परीक्षा शुरू हुई, जिसमें बीए-बीएससी के पेपर 12 जून तक चलेंगे। परीक्षाओं में 60 हजार छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए है। 120 परीक्षा केंद्र बनाए थे। 65 फीसद केंद्र पर नकल रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। यहां तक कि संवेदनशील केंद्र पर नजर रखने के लिए आब्जर्वर को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जबकि दस से ज्यादा उड़नदस्ते बनाए थे। अकेले इंदौर शहर पांच उड़नदस्तों ने कालेजों का निरीक्षण किया। वहीं बाकी जिलों के केंद्रों पर एक-एक टीम ने दौरा किया। डेढ़ महीने के भीतर 170-175 नकलची विद्यार्थी पकड़ाए है। बीए में सबसे अधिक छात्र-छात्राओं ने नकल की है। बीकाम के विद्यार्थियों ने पेपर शुरू होने से पहली नकल सामग्री केंद्र पर जमा करवा दी थी

अधिकारियों के मुताबिक नकलची छात्रों के प्रकरणों की सुनवाई जल्द होगी, क्योंकि यह उनका अंतिम वर्ष है। इसके चलते समिति तुरंत निर्णय करेंगी। ताकि उन्हें पीजी में प्रवेश मिल सके। परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि नकल प्रकरण की संख्या कम हुई है। 2020 से लेकर 2023 तक 800 से 1200 प्रकरण बनते थे। इसके पीछे दूसरा कारण यह है कि अब विद्यार्थी शिक्षा को लेकर गंभीर हो चुके है। वे कहते है कि समिति के समक्ष प्रकरण रखेंगे। जांच के दौरान नकल सामग्री के इस्तेमाल के आधार पर सदस्य विद्यार्थियों की सजा तय करेंगे।

आर्थिक असमानता दूर करने के लिए राजीव गांधी फाउंडेशन चलाएगा अभियान

इंदौर। इंदौर में आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश के 82 करोड़ नागरिक सरकार द्वारा दिए जाने वाले खाद्यान्न पर निर्भर है। शिक्षा, स्वास्थ्य का निजीकरण हो जाने से आने वाले समय में यह संख्या और तेजी से बढ़ेगी, इससे बचने के लिए आर्थिक एवं सामाजिक असमानता को दूर करने के लिए नागरिकों एवं विभिन्न संगठनों को बड़े पैमाने पर आगे आना होगा। इसके लिए आगामी 27 मई से 14 नवंबर तक राजीव गांधी फाउंडेशन अन्य संगठनों के साथ मिलकर देश भर में भारत एक खोज अभियान चलाएगा। इस अभियान के माध्यम से देश में पिछले 70 सालों में हुए विकास से युवा पीढ़ी को अवगत कराया जाएगा। उक्त बात राजीव गांधी फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव एवं भारत जोड़ो न्याय यात्रा के संयोजक विजय महाजन ने बुधवार को अभिनव कला समाज सभागृह में उपस्थित सामाजिक कार्यकताओं के बीच कहीं।

संविधान को मजबूत करने के प्रयास करें

बैठक में इंटक के राष्ट्रीय सचिव श्याम सुंदर यादव ने कहा कि सभी नागरिक मिलकर संविधान को मजबूत करने एवं आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए प्रयास करें। बैठक में भारतीय डाक विभाग के पूर्व मेंबर सरदार ए एस आई एस पाल, हरिजन कामगार संघ के अध्यक्ष महेश गोहर, तकनीकी शिक्षा विभाग (आईटीआई) के पूर्व संयुक्त संचालक आर एन ठाकुर, फादर पायस, पूर्व पार्षद शकील अंसारी, सलीम अंसारी, आईआईएम इंदौर के पूर्व प्रोफेसर सोमनाथ घोष, कृंभको के पूर्व मैनेजर राजेंद्र जैन सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखें।

इस अभियान में देश के युवा आगे आएं

उन्होंने कहा कि देश में तेजी से सामाजिक और आर्थिक असमानता बढ़ती जा रही है। महंगाई एवं बेरोजगारी के कारण नागरिक विशेष कर युवा परेशान हो रहे हैं। गरीब और गरीब तथा अमीर और अधिक अमीर होता जा रहा है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य बहुत महंगे होते जा रहे हैं, अतः इस अभियान को चलाने के लिए देश के युवा आगे आए। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी फाउंडेशन आगामी 27 मई जवाहरलाल नेहरू के निर्वाण दिवस से 14 नवंबर तक भारत एक खोज के नाम से राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से देश में पिछले 70 सालों में हुए विकास तथा जन समस्याओं को लेकर चचाएं की जाएंगी। इस अभियान का नाम भारत एक खोज रखा गया है। उन्होंने विभिन्न संगठनों के युवाओं को इस अभियान से जुड़ने का अनुरोध किया।

तीसरी बार बढ़ाया हावड़ा स्पेशल ट्रेन का फेरा

इंदौर। गर्मी की छुट्टी लगते ही इंदौर से चलने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में लंबी वेटिंग शुरू हो गई है। जिसके चलते रतलाम मंडल ने अलग-अलग रूट के लिए चार ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। जिसमें इंदौर-हावड़ा के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। इस ट्रेन का फेरा हर सप्ताह बढ़ाया जा रहा है। यह स्पेशल ट्रेन शुक्रवार को एक फिर इंदौर से रवाना होगी। बता दें कि इस ट्रेन को स्पेशल किराये के साथ चलाया जा रहा है। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि इंदौर हावड़ा स्पेशल (09335) ट्रेन शुक्रवार रात 10.30 बजे इंदौर से चलकर रविवार सुबह छह बजे हावड़ा पहुंचेगी। इसी तरह वापसी में यह ट्रेन रविवार शाम 5.40 बजे चलकर मंगलवार रात 12.50 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, शुजालपुर, संतहिरदाराम नगर, विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, प्रयागराज, बनारस, पं. दीनदयाल उपाध्याय जं., सासाराम, डेहरीओनसोन, गया, कोडरमा, पारसनाथ, गोमो, धनबाद, आसनसोल, दुगार्पुर और बर्द्धमान स्टेशनों पर ठहराव रहेगा। इस ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। हालांकि स्पेशल ट्रेन शुरू होने के बावजूद इंदौर-हावड़ा के बीच चल रही नियमित ट्रेन शिप्रा एक्सप्रेस में वेटिंग कम नहीं हो रही है।

प्रशासन की चिंता, बूथ तक कैसे पहुंचेंगे मतदाता

इंदौर। लोकसभा के लिए इंदौर में हुए बड़े घटनाक्रम के बाद सबसे ज्यादा चिंता में प्रशासन है। शुरुआती दो चरण में प्रदेश में वोटिंग प्रतिशत पहले ही कम रहा है, अब इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम के नाम वापस लेने और भाजपा में जाने के बाद चुनाव एकतरफा माना जा रहा है। ऐसे में प्रशासन को चिंता है कि कहीं इसका असर वोटिंग पर न पड़े। यही कारण है कि अब तक स्वीप अभियान में कई आयोजन कर चुके प्रशासन ने नया ऑफर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के लिए निकाला है। अच्छे मतदान करवाने वाले बीएलओ को प्रशासन 5 हजार तक का इनाम देगा। कलेक्टर आशीष सिंह ने बीएलओ पारितोषिक योजना की घोषणा करते हुए कहा 13 मई को लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अच्छा काम करने वाले बीएलओ सम्मानित होंगे। शहरी क्षेत्र में जिन मतदान केंद्रों पर 75 प्रतिशत से अधिक और ग्रामीण क्षेत्र में जिन मतदान केंद्रों पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदान होगा, वहां के बीएलओ को 5 हजार रुपए इनाम में दिए जाएंगे।

प्रशासन ने जिले के 150 से ज्यादा कॉलेजों के ग्रुप भी बनाए हैं, जो वोटिंग को लेकर वॉलेंटियर के रूप में काम कर रहे हैं। मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अग्रणी रहने वाले पहले 21 मतदान केंद्र के वॉलेंटियर्स को 11 हजार प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

आज दिव्यांगजन निकालेंगे रैली: 3 मई को शाम 6 बजे दिव्यांगजन तिपहिया वाहन से रैली निकालेंगे। रैली शाम 6 बजे से नेहरू पार्क से शुरू होगी। यशवंत क्लब मैदान पर पूरी होगी। 5 मई की शाम 5 बजे से एमराल्ड हाइट्स स्कूल में दिव्यांगजन की व्हीलचेयर क्रिकेट स्पर्धा होगी। 7 मई को दिव्यांगजन मतदाता जागरूकता पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह आयोजन सुबह 11 बजे से रवींद्र नाट्य गृह में होगा।

जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने बताया मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कुछ अन्य गतिविधियां भी की जाएंगी। दिव्यांगजन भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अपनी भागीदारी देंगे। दिव्यांगजन वाहन रैली, क्रिकेट व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करेंगे।

फ्लैट से 8.50 लाख नकदी और आभूषण ले गए चोर

इंदौर। जूनी इंदौर इलाके के एक बिल्डिंग में बदमाशों ने एक फ्लैट को निशाना बनाया। बदमाश यहां से 8.50 लाख नकदी और आभूषण लेकर फरार हो गए। थाने की टीम को इस मामले में फुटेज मिले हैं। इसके आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जिसमें एक महिला भी है। चोरी करीब 20 लाख के लगभग की बताई जा रही है। जूनी इंदौर पुलिस के मुताबिक लतीश आर्य निवासी वृंदावन धाम त्रिवेणी कॉलोनी की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है। लतीश आर्य ने बताया कि वह पेशे से ब्रोकर और प्रोटीन पावडर सेल्स का काम करते हैं। एक दिन पहले वह अपने फ्लैट नंबर 206 में ताला लगाकर पत्नी रंजना को लेकर पलासिया में मदरहुड अस्पताल में रिश्तेदार को देखने गए थे। यहां से रात करीब 11:45 बजे वह वापस आए। तो दरवाजा खुला था। कमरे के अंदर गए तो अलमारी से सामान अस्त-व्यस्त था। इस दौरान चेक करने पर अलमारी में रखे 8.50 लाख नकदी और सोने के मंगलसूत्र, सोने की 4 अंगूठी, 2 चेन, कान के बाली, एक ब्रेसलेट, दो कंगन, चांदी के जेवर और कुछ अन्य कीमती सामान गायब था। लतीश ने बताया कि कुछ जेवर उनके पूर्वजों के थे। वहीं कुछ पत्नी के जेवर थे। रात में उन्होंने मामले की जानकारी थाने पर दी। दूसरे दिन पुलिसकर्मियों ने आसपास के फुटेज खंगाले। फिलहाल पुलिस ने बुधवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सरवटे बस स्टैंड पर चोरी करते पकड़े गए एक चोर पर शक है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने संकुल प्राचार्यों को भेजा नोटिस

इंदौर। 12 एवं 24 वर्ष पूर्ण करने वाले अध्यापक शिक्षक संवर्ग की प्रथम और द्वितीय क्रमोन्नति संबंधी प्रस्ताव अभी तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा नहीं हुआ है। जिसके चलते जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी संकुल प्राचार्यों को नोटिस जारी कर तत्काल जानकारी भेजने के लिए कहा है। नोटिस में दस दिन का समय दिया गया है। पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष और शासकीय शिक्षक संगठन मप्र के प्रदेश प्रवक्ता दिनेश परमार ने बताया कि कुछ दिनों पहले डीईओ मंगलेश व्यास से कार्यालय जाकर क्रमोन्नति और समयमान वेतनमान आदेश जारी करने और संबंधित संकुल प्राचार्यों से फाइलें जमा करवाने के लिए कहा था।

अप्रैल में इंदौर एयरपोर्ट से उड़े 3.5 लाख से अधिक यात्री

इंदौर। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इस साल के शुरूआत से ही यात्रियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इंदौर एयरपोर्ट ने यात्रियों की संख्या के मामले में एक नया रिकार्ड बना लिया है। पहली बार अप्रैल ऐसा लगातार पांचवा महीना रहा है जब एयरपोर्ट से तीन लाख से अधिक यात्रियों से यात्रा की है। अप्रैल में इंदौर एयरपोर्ट से हर दिन औसतन 10 हजार 180 यात्रियों ने सफर किया। हालांकि यह मार्च की तुलना में कम है। लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या को देखते हुए इंदौर एयरपोर्ट का मई और जून में भी यात्री संख्या 10 हजार से ज्यादा रहने का अनुमान है। एयरपोर्ट अथॉरटी द्वारा बनाई गई मासिक रिपोर्ट के अनुसार इस बार अप्रैल माह में कुल 2482 उड़ानों का संचालन हुआ, जिसमें कुल 3,05,400 यात्रियों ने सफर किया। जबकि अप्रैल 2023 में में इंदौर से 2375 उड़ानों से कुल 2 लाख 89 हजार 399 यात्रियों ने सफर किया था। इंदौर एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि अप्रैल में मौसम का भी असर विमानों के संचालन पर पड़ा है। खासतौर से उत्तरी भारत में खराब मौसम के कारण दिल्ली और लखनऊ की उड़ानें निरस्त हुई है। नहीं तो यात्रियों की संख्या और बढ़ सकती है। प्रबंधन ने बताया कि सबसे अधिक 11 हजार 308 यात्रियों ने 21 अप्रैल को यात्रा की है। 2 अप्रैल को सबसे कम 8 हजार 690 यात्रियों ने सफर किया, इस दिन 76 उड़ानों का संचालन हुआ था।

और बढ़ेगी यात्रियों की संख्या

ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि अप्रैल में स्कूल दोबारा खुल गए थे। फिर भी यात्रियों की संख्या ठीक रही है। लेकिन अब अच्छी बात यह है कि आगामी कुछ माह सीजन के है जिस कारण यात्रियों की संख्या बढेगी। मई और जून में यात्रियों की संख्या इससे ज्यादा बढेगी। मई में स्कूल पूरे समय बंद रहेंगे वहीं यह ट्रैवल सीजन भी है जिस कारण इंदौर एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा।

इस साल यात्रियों की संख्या 40 लाख से ज्यादा रहने की संभावना

इंदौर एयरपोर्ट पर उड़ानें और यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब इंदौर से रोजाना 90 नियमित उड़ानें आ जा रही हैं। जिसमें औसतन साढ़े 10 हजार यात्री सफर कर रहे हैं। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि 2023 में 28 हजार 851 उड़ानें उड़ी और इनसे 35 लाख 39 हजार 406 यात्रियों ने सफर किया था। लेकिन इस साल 2024 शुरूआती तीन माह में ही आंकड़ा साढ़े 9 लाख से ऊपर पहुंच गई है। जिससे इस बात की पूरी संभावना है कि इस साल यह संख्या 40 लाख से ऊपर पहुंच जाएगी।

मृदुभाषी
सच्ची खबरें, सलीके के साथ
इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित
facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com इंदौर, शुक्रवार, 03 मई 2024 नगर संस्करण, वर्ष: 04, अंक: 251, पृष्ठ : 08, मूल्य: 5.00 रुपए

बीआरटीएस पर छह लेन ब्रिज का निर्माण शुरू, डेढ़ साल में होगा तैयार

इंदौर। इंदौर के बीआरटीएस पर नए ब्रिज का निर्माण शुरू हो गया है। इसके लिए बीआरटीएस की रैलिंग हटाकर खुदाई की जा रही है। 11 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस पर बनने वाला यह दूसरा ब्रिज है। सालभर पहले भंवरकुआ चौराहे पर भी ब्रिज का निर्माण शुरू हुआ था। नया ब्रिज निरंजनपुर चौराहे पर बन रहा है। यहां से बीआरटीएस की शुरुआत हुई है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम इस ब्रिज का निर्माण कर रहा है और उसकी लागत 45 करोड़ रुपए से ज्यादा होगी।

उज्जैन की तरफ से आने वाले भारी वाहन एमआर-10 मार्ग से निरंजनपुर चौराह होकर भोपाल की तरफ जाते हैं। इस कारण चौराहे पर ट्रैफिक का भारी दबाव रहता है। यहां छोटे वाहन भी ज्यादा चलते हैं। इस कारण हादसे का अंदेशा भी अकसर रहता है। इस वजह से सड़क विकास निगम ने ब्रिज के लिए इस चौराहे के चुना है। ठेकेदार कंपनी ने यहां पिलर बनाने के लिए खुदाई शुरू कर दी है। दो माह पहले ब्रिज के लिए मिट्टी परीक्षण हो चुका था।

देवास नाका से विजय नगर चौराहे की तरफ बनेगा ब्रिज

अफसरों ने बताया कि छह ब्रिज देवास नाका से विजय नगर चौराहे की तरफ बनेगा और उसकी लंबाई 500 मीटर है। ब्रिज के निर्माण की समय सीमा डेढ़ साल तय की गई है। ब्रिज निर्माण के दौरान चौराहे पर ही वैकल्पिक मार्ग तैयार किए गए हैं।

एलिवेटेड कॉरिडोर भी बनेगा

सड़क विकास निगम बीआरटीएस पर एलआईजी चौराहा से व्हाइट चर्च चौराहा तक एलिवेटेड कॉरिडोर भी बना रहा है। इस पर 375 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। तीन माह पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन किया था। इसके लिए 10 स्थानों पर मिट्टी परीक्षण हो चुका है। जल्दी ही काम शुरू होगा। यह कॉरिडोर सड़क के मध्य हिस्से पर बनेगा और इसकी तीन भुजाएं भी होंगी। इस कॉरिडोर की लंबाई छह किलोमीटर से ज्यादा होगी।

खजराना ब्रिज की एक लेन पर ट्रैफिक होगा शुरू

इंदौर विकास प्राधिकरण खजराना चौराहे पर ब्रिज बना रहा है। इसकी एक लेन लगभग तैयार हो चुकी है। दो माह के भीतर उसे ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। रिंग रोड पर यह चौथा ब्रिज है। पालदा, बंगाली चौराहा और पिपलियाहाना चौराहे पर पहले ही ब्रिज बन चुके हैं।

ब्रीफ न्यूज़

इंदौर-महू के बीच चलने वाली ट्रेनें 15 दिन रहेंगी प्रभावित

इंदौर। इंदौर-महू के बीच चलने वाली ट्रेनों की आवाजाही 15 दिनों तक बंद रहेंगी। दरअसल इस दौरान महू यार्ड रिमॉडलिंग, राऊ-महू दोहरीकरण और महू-पातालपानी ब्रॉडगेज लाइन प्रोजेक्ट के काम होंगे। इसके चलते संबंधित ट्रेन प्रभावित होंगी। इसे लेकर रतलाम मंडल के निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बैठक की। इसके बाद सीआरएस निरीक्षण के लिए दो तारीखें तय की गई है। इसके पहले 17 दिन के लिए इंदौर-महू रेलखंड को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। ऐसे में 7 या 10 मई से 15 दिन महू-इंदौर के बीच ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से बंद हो जाएगा। महू से चलने वाली लम्बी दूरी की ट्रेनों का संचालन इंदौर और लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन से किया जाएगा। राऊ-महू दोहरीकरण और महू-पातालपानी ब्रॉडगेज लाइन का काम करीब पूरा हो चुका है। महू रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म-1 और चार पर पटरियां भी बिछ चुकी हैं। साथ ही महू स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग का काम किया जाएगा। इसमें अतिरिक्त लाइन को हटाना, सिग्नलिंग, नए लाइन को जोड़ना आदि काम किए जाएंगे। महू से वर्तमान में चल रही मालवा एक्सप्रेस, कामाख्या एक्सप्रेस, यशवंतपुर, प्रयागराज और रीवा एक्सप्रेस को इंदौर या उज्जैन से चलाया जाएगा। ऐसे ही महू-भोपाल इंटरसिटी को इंदौर से चलाया जाएगा। महू से रतलाम के लिए चल रही डेमू ट्रेन को भी इंदौर में ही शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया जाएगा।

रंगपंचमी गेर यूनेस्को की सूची में शामिल कराने के लिए हुई बैठक

इंदौर। इंदौर में रंगपंचमी पर निकलने वाली गेर को यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कराने के प्रयास शुरू कर दिए गए है। इसके लिए गुरुवार को राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई। यह बैठक संस्कृति विभाग के संचालक एवं समिति के अध्यक्ष एनपी नामदेव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में गेर को यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल करने के लिए शासन को भेजे गए प्रस्ताव की जानकारी डॉ. मनोहर दास सोमानी ने दी। बैठक में समिति के संयोजक भालू मोंढे, सदस्य जयंत भिसे, अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता, डॉ. राजीव शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही अगले साल गेर को और को प्रभावशील तरीके से आयोजित कर इसे विश्व स्तरीय बनाने पर सहमति दी। जिला स्तरीय समिति की सदस्य डॉ. नमिता काटजू ने गेर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी। आभार जयंत भिसे ने माना।

धर्म परिवर्तन करने से नाराज समाज, लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियां

हैदर से हरि बने शख्स के घर पर हमला

इंदौर। इंदौर में मुस्लिम से हिंदू बने शख्स को लगातार धमकियां मिल रही हैं। उसके घर पर भी अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया है। उसके घर पर पत्थर फेकें गए जिससे खिड़की के कांच टूट गए। हैदर से हरि बने शख्स ने पुलिस में इसकी लिखित शिकायत भी की है। शिकायत में उसने लिखा है कि धर्म परिवर्तन करने से नाराज लोग लगातार मुझे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मैं अपने घर भी नहीं जा पा रहा हूं। मुझे और मेरे परिवार को सुरक्षा दी जाए। वे लोग असामाजिक तत्व विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रांत के प्रशासनिक संपर्क प्रमुख संतोष शर्मा को भी धमकी दे रहे हैं। वहीं पुलिस ने कहा है कि फरियादी ने शिकायत तो दी है लेकिन एफआईआर नहीं करवाई है। हमने उसे एफआईआर का कहा तब भी उसने एफआईआर नहीं करवाई। अब वह लापता हो गया है। हम उसकी तलाश कर रहे हैं। हैदर इंदौर के खजराना की अली कॉलोनी में रहता है। 27 अप्रैल को हैदर शेख पिता शहजाद शेख के साथ सात लोगों ने हिन्दू धर्म अपनाया था। खजराना मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में इन सभी लोगों ने विधि-विधान से पूजा कर सनातन धर्म अपनाया था।

पुलिस ने एफआईआर दर्ज करवाने को कहा था

डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने बताया कि बुधवार को पीड़ित ने हमें उसके घर पर हुए हमले की जानकारी दी थी। हमने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए लेकिन पीड़ित एफआईआर दर्ज करवाने के लिए थाने ही नहीं आया। हम उसे तलाश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार हैदर शेख पिता शहजाद शेख ने 27 अप्रैल को अपना धर्म बदला था। खजराना मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में वह विधि-विधान से पूजा कर हैदर से हरिनारायण बन गया। वह मूल रूप से खजराना की अली कॉलोनी में रहता है।

लगातार आ रहे फोन

हैदर उर्फ हरि ने कहा कि जिस धर्म को छोड़ा है, उससे जुड़े कुछ लोग जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मेरे पास लगातार फोन आ रहे हैं। अपशब्द भी कह रहे हैं। असामाजिक तत्व ने विश्व हिंदू परिषद के मालवा प्रांत के प्रशासनिक संपर्क प्रमुख संतोष शर्मा को भी धमकी दे रहे हैं। हैदर से हरि बने शख्स ने शनिवार को धर्म परिवर्तन के बाद कहा था कि मैं सनातन धर्म से बहुत पहले से प्रभावित था। मैंने इसका काफी अध्ययन किया है। सनातन धर्म सभी धर्मों को महत्व देता है। इसका न प्रारंभ है और न अंत है। मैंने आज अंधेरे से उजाले में प्रवेश किया है। मैंने आज एक तरह से नया जन्म लिया है। मुझे परिवार का विरोध नहीं बल्कि सहयोग ही मिला है।

कानूनी रूप से किया धर्म परिवर्तन

हैदर से हरि बने शख्स ने बताया था कि कार्यक्रम में शामिल होने से पहले मेरे द्वारा भारतीय संविधान के अनुसार मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 10 के अनुसार धर्म परिवर्तन किया है। इसके लिए नोटरी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत किया है।

धर्म परिवर्तन करने वालों में 3 महिलाएं

इंदौर में बीते शनिवार 27 अप्रैल को मुस्लिम समाज के 8 लोगों ने हिंदू धर्म अपनाया था। इनमें इंदौर के खजराना इलाके के 3 और 5 मंदसौर जिले के रहने वाले हैं। इन आठ लोगों में तीन महिलाएं भी हैं। ये सभी भगवा वस्त्र पहनकर खजराना मंदिर पहुंचे थे, जहां विधि-विधान से इनका धर्म परिवर्तन कराया गया।

इंदौर लोकसभा सीट का मामला फिर पहुंचा कोर्ट, सुनवाई आज

इंदौर। इंदौर लोकसभा चुनाव का मामला एक बार फिर हाईकोर्ट पहुंच चुका है। कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल ने कांग्रेस के डमी उम्मीदवार थे। उन्होंने इंदौर हाईकोर्ट की सिंगल बैंच के फैसले को खंडपीठ में चुनौती दी है। अब इस मामले में शुक्रवार को सुनवाई होगी। पटेल ने हाईकोर्ट में याचिका लगाकर चुनाव चिन्ह आवंटित करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने कहा था कि पटेल का नामांकन फार्म स्क्रूटनी के समय ही निरस्त हो चुका है। अब पटेल डबल बैंच में अपना पक्ष रखकर कांग्रेस का चुनाव चिन्ह आवंटित करने की मांग करेंगे। पटेल ने कांग्रेस के डमी प्रत्याशी के रुप में नामांकन फार्म भरा था, लेकिन कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी होने के नाते अक्षय बम के पास बी फार्म था और उनका नामांकन मंजूर हो गया था। पटेल के फार्म में दस प्रस्तावकों के हस्ताक्षर नहीं थे। इस कारण उनका नामांकन निरस्त हो चुका था, लेकिन तब उन्होंने आपत्ति नहीं ली।

इसलिए पटेल को जाना पड़ा कोर्ट

इंदौर लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस ने अक्षय बम को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्होंने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय जाकर नाम वापस ले लिया और भाजपा का दामन थाम लिया। अब इंदौर में कांग्रेस का कोई अधिकृत उम्मीदवार नहीं है। पटेल कांग्रेस के डमी उम्मीदवार थे, लेकिन उनका नामांकन निरस्त हो गया था। इस मामले में उन्होंने पहले हाईकोर्ट की सिंगल बैंच में याचिका लगाई थी और कहा कि अधिकृत उम्मीदवार की नाम वापसी के बाद वे कांग्रेस के वैकल्पिक उम्मीदवार है। उन्हें कांग्रेस का चिन्ह आवंटित किया जाए, हालांकि कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

नियम का पालन नहीं | **उद्योग नगर में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पर छापेमारी, फर्म के कर्मचारियों ने की दरवाजा बंद करने की कोशिश**

प्लास्टिक प्रोडक्ट्स का निर्माण नहीं हुआ बंद, नगर निगम ने की कार्रवाई

इंदौर। इंदौर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उद्योग नगर में एक मैनुफैक्चरिंग यूनिट पर 121 डिस्पोजेबल कप के कार्टून जब्त किए और 1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया.। अधिकारियों ने कहा कि शिव उद्योग नगर के वार्ड 75 में नियमित जांच दौर के दौरान टीम को देखकर सवेरा डिस्पोजल प्राइवेट लिमिटेड की एसएम प्रोडक्ट यूनिट फर्म के कर्मचारी डर गए और यूनिट का दरवाजा बंद करने की कोशिश करने लगे।

लाखों की कीमत के डिस्पोजल कप मिले

जोन 19 सीएसआई अरविंद पथ रोड की टीम को संदेह हुआ तो उन्होंने फैक्ट्री में प्रवेश किया और परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें प्रो-हाईबिड डिस्पोजेबल कप का निर्माण होता हुआ मिला। वही बड़ी मात्रा में स्टॉक भी मिला। टीम ने लाखों की कीमत के डिस्पोजल कप से भरे 121 कार्टन भी जब्त कर लिए हैं। वहीं मौके पर ही एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। टीम ने उन्हें यह भी चेतावनी दी कि वे प्रतिबंधित गुणवत्ता वाले ऐसे उत्पादों का भंडारण या निर्माण करने का प्रयास न करें।

इस तरह हुआ संदेह

इंदौर के पलदा क्षेत्र में उद्योग नगर जहां पर तमाम फैक्ट्रियां हैं, उसमें से एक फैक्टरी पर नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित प्लास्टिक प्रोडक्ट को जब्त किया निगम अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सुबह स्वास्थ्य विभाग की टीम इस क्षेत्र में सर्वे कर रही थी, जहां पर इस फैक्ट्री वालों ने निगम के अधिकारी कर्मचारियों को देखकर तुरंत फैक्ट्री को बंद करने की कोशिश की गई, जिसमें संदेह हुआ की कुछ गलत हो रहा है निगम के संपूर्ण टीम जब अंदर प्रवेश किया तो प्लास्टिक प्रोडक्ट जिसमें गिलास या अन्य प्रोडक्ट बनाए जा रहे थे, जिसे निगम ने प्रतिबंधित करके रखा है।

कोविशील्ड वैक्सीन को लेकर शंकाओं का निवारण भी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड की जांच के लिए एक याचिका दाखिल की गई। इसमें कहा गया है कि कोविशील्ड के साइड इफेक्ट्स की जांच करने के लिए एक्सपर्ट पैनल बनाने का निर्देश जारी किया जाए। भारत में सबसे पहली कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड है। इसे पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट ने बनाया है। कोविशील्ड फॉर्मूला ब्रिटिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका से लिया गया है। एस्ट्रेजेनेका ने ब्रिटिश अदालत में माना है कि उनकी वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हैं। कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है और हार्ट अटैक व ब्रेनस्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। एस्ट्राजेनेका ने स्वीकारा कि उसकी कोविशील्ड वैक्सीन के रेयर साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जिसको लेकर देश में नए सिरे से बहस शुरू हो गई है। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि घबराएं नहीं, टीके से जुड़ा खतरा दस लाख में से एक व्यक्ति को होता है। वैसे देश के चुनावी माहौल के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के कोलाहल में यह तय कर पाना कठिन हो जाता है कि हवा में तैर रही खबर की तार्किकता क्या है। यह भी कि यह खबर वास्तविक है या राजनीतिक लक्ष्यों के लिए गढ़ी गई है। वहीं दूसरी ओर व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के चलते भारत के खिलाफ जो वैश्विक गुटबंदी चल रही है, कहीं आरोप इस कड़ी का हिस्सा तो नहीं है। वैसे विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कोविशील्ड वैक्सीन लेने के चार से बयालीस दिनों के भीतर टीटीएस प्रभाव हो सकता है, जो ब्लड क्लॉट बना सकता है। जिससे कालांतर में प्लेटलेट्स की कमी शरीर में हो सकती है। दरअसल, वैक्सीन बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन में एक अदालती सुनवाई के दौरान वैक्सीन के दुर्लभ प्रभावों की बात को माना था। कंपनी के विशेषज्ञों का कहना है कि टीटीएस दिमाग, फेफड़ों, आंत की खून की नली आदि में तो पाया गया लेकिन किसी को हार्ट अटैक की समस्या नहीं हुई। साथ ही यह भी कि कोविड संक्रमण के कारण भी ब्लड क्लॉट के मामले सामने आए हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन से इम्यून सिस्टम में टी व बी सेल गतिशील होने से इम्यून प्रतिक्रिया बढ़ती है, जिसके बाद खून की नली में सूजन से ब्लड क्लॉट बनता है। जिसमें ज्यादा प्लेटलेट्स इस्तेमाल होने लगते हैं। जो कि टीटीएस की स्थिति होती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैक्सीन ने महामारी की घातकता को नब्बे प्रतिशत तक घटाकर रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाई। वहीं वैक्सीन के साइड इफेक्ट छह माह के भीतर सामने आ जाते हैं, इसके उपयोग को दो साल से अधिक का समय हो चुका है। उल्लेखनीय है सरकार ने कोरोना संकट के दौरान कोविशील्ड लेने हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया था। अब जब इसके दुष्प्रभावों को लेकर संशय पैदा हुआ है तो उसे अपने संसाधनों का इस्तेमाल करके लोगों की शंकाओं का निवारण भी करना चाहिए। सेहत से जुड़े किसी भी मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। यदि किसी तरह असुरक्षा की भावना बढ़ती है तो सरकार को तुरंत दूर करना चाहिए। नागरिकों की शंकाओं का तुरंत ही समाधान किया जाना चाहिए। पब्लिक डोमेन में कंपनी द्वारा चुनावी बांड खरीदे जाने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। जिसके चलते लोगों के मन में कई तरह के सवाल उपजे हैं, जिनका निराकरण भी सरकार का प्राथमिक दायित्व है। हमें यह भी स्वीकारना चाहिए कि संकटकाल में इस वैक्सीन की तुरंत उपलब्धता से देश की बड़ी आबादी को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया जा सका। बेहद कम समय में कोरोना से लड़ने के लिये उपलब्ध कराई गई वैक्सीन के साइड इफेक्ट से इनकार भी नहीं किया जा सकता। इस बात की आशंका भी है कि टीटीएस प्रभाव कोरोना संक्रमण के बाद भी सामने आ सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि लॉकडाउन के कारण लाइफ स्टाइल बिगड़ने से लोगों की गतिशीलता में कमी, मानसिक तनाव वृद्धि से मोटापे व मधुमेह के चलते भी हृदयाघात के मामले बढ़े हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ हृदयरोग विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी को पहले ही बताना चाहिए कि वैक्सीन से टीटीएस जैसे साइड इफेक्ट हो सकते हैं। जानकारी होने पर लोग अपनी प्राथमिकता की वैक्सीन ले सकते थे। वहीं यह भी तार्किक है कि कोई दवा अथवा वैक्सीन यदि असर करती है तो उसके साइड इफेक्ट भी निश्चित रूप से होते हैं। कुछ विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों के आरोपों के मूल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रही वैक्सीन राजनीति को भी बताते हैं।

कुछ अमेरिकी विशेषज्ञ वैक्सीन के दुष्प्रभावों को दूर करने के लिये हफ्ते में दो दिन सिर्फ एक बार खाना खाने की सलाह देते हैं, जिससे ब्लड क्लॉटिंग रोकने में मदद मिल सकती है।

> भारत में सबसे पहली कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड है। इसे पुणे की सीरम इंस्टीट्यूट ने बनाया है। कोविशील्ड फॉर्मूला ब्रिटिश फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका से लिया गया है। एस्ट्रेजेनेका ने ब्रिटिश अदालत में माना है कि उनकी वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स हैं।

धधक रहे धरती के फेफड़े, हो रहा पर्यावरण का विनाश

जयसिंह रावत

> भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अकसर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है।

धरती पर जीवन जीने के लिए अति आवश्यक ऑक्सीजन के उत्पादन में एल्गी या शेवाल के बाद वनों की महती भूमिका को देखते हुए वनों को धरती के फेफड़ों की संज्ञा भी दी जाती है। लेकिन जब फेफड़े ही जल रहे हों तो फिर स्थिति की गंभीरता को आंका जा सकता है। अगर आप भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के वनाग्नि डेशबोर्ड पर 24 अप्रैल की सुबह की ताजा स्थिति पर नजर डालें, तो आपको देशभर में पृथ्वी के दहकते फेफड़ों में मची तबाही का मंजर साफ नजर आएगा।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह से प्राप्त वनाग्नि के दृश्यों के विश्लेशित आकड़ों की पल-पल की जानकारी राज्यों के वन विभागों को देता है, जिससे की वनाग्नि को बुझाने के लिए तत्काल कार्यवाही कर सकें। विभाग के डैशबोर्ड पर 24 अप्रैल की प्रातः उत्तर से लेकर दक्षिण तक देश के 13 राज्यों में 62 वन क्षेत्रों में भीषण आग लगी हुई थी, जिनमें हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में सर्वाधिक 30 स्थानों पर जंगल भयंकर रूप से धू-धू कर जल रहे थे। हिमालय पर लपटें कितनी खतरनाक हैं, उसे बढ़ती दैवी आपदाओं से साफ महसूस किया जा सकता है।

डैशबोर्ड में दूसरे नम्बर पर 8 घटनाओं के साथ आन्ध्र प्रदेश, 6 के साथ बिहार और 3 अग्निकांडों के साथ झारखण्ड को दशार्या गया था। बाकी राज्यों में एक या दो घटनाऐं दशार्यी गयीं थी। यही नहीं डैशबोर्ड में 17 अप्रैल से 22 अप्रैल तक के सप्ताह में हुए भीषण अग्निकाण्डों में उड़ीसा को पहले और उत्तराखण्ड को दूसरे स्थान पर दशार्या गया था। उसके बाद वन बाहुल्य छत्तीसगढ़, और झारखण्ड की स्थिति बताई गई है।

सरकारी विवरणों को अगर देखें तो वनाग्नि के नुकसान में केवल पेड़ों की गिनती करने के साथ ही आर्थिक नुकसान का आंकलन कर दिया जाता है, जबकि वन पेड़ पौधों और जीवों की प्रजातियों की एक विशाल श्रृंखला के प्राकृतिक घर हैं, जिनमें से कई प्रजातियां अन्यत्र कहीं नहीं पाई जाती हैं। जंगल में बड़े पेडों के अलावा छोटी नाजुक वनस्पतियां, लाइकेन्स के साथ ही जीवों की हिरन, लोमड़ी, गुलदार जैसे स्तनपायी जीव प्रायः भागकर जान बचाने में कामयाब हो सकते हैं। लेकिन पक्षी, तितलियां, मक्खियां, मकड़े, कीड़े-मकोड़े, मेंढक, दीमक, रेंगने वाले सांप, छिपकलियां और केंचुए जैसे अनगिनत जीव प्रजातियां खाक हो जाती हैं।

आप कह सकते हैं कि वनाग्नि से भरा पूरा वन्यजीव संसार खाक हो जाता है। जबकि चींटी और दीमक से लेकर बड़े स्तनपाई जीवों तक हर एक को प्रकृति ने कुछ न कुछ दायित्व सौपा हुआ है। उदाहरण के लिए अगर वनों में दीमक न होंगे तो मिट्टी में उपजे बड़े पेड़ फिर मिट्टी में कैसे मिल पाएंगे।

वनों को पृथ्वी के फेफड़े इसलिए माना जाता है, क्योंकि मानव फेफड़े की तरह वन ऑक्सीजन का उत्पादन करने और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम सांस में ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं। हमारी त्यागी गई कार्बनडाइआक्साइड वृक्षों के काम आती है और पादपों द्वारा छोड़ी गई ऑक्सीजन हमारे काम आ जाती है। वन प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे वे पृथ्वी के वायुमंडल में गैसों के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

जंगल की आग से उत्पन्न धुआं और राख हवा की गुणवत्ता को खराब करता है, जिससे आस-पास के समुदायों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा हो सकता है। जंगल की आग बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है और ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। इस धुंवे में ब्लैक कार्बन होता है जो कि ग्लोबल और लोकल वार्मिंग का बढ़ाता है और इसका ऐरासोल वृद्धि के साथ ही अतिवृष्टि में भी सीधा योगदान होता है।

जंगल की आग एक वैश्विक समस्या है। ऑस्ट्रेलिया, अमेजॉन, कनाडा के लम्बे समय तक दहकने वाले अग्निकांड इतिहास में दर्ज हैं। चूंकि अब धीरे-धीरे धरती का वनावरण सिमट रहा है इसलिए बचे-खुचे जंगलों की आग और अधिक विनाशकारी साबित हो रही है। भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग के आंकड़ों के अनुसार देश का 36 प्रतिशत वनक्षेत्र अक्सर वनाग्नि से धधकता रहता है और इसमें से भी 4 प्रतिशत क्षेत्र वनाग्नि की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जबकि 6 प्रतिशत वनावरण अत्यधिक अग्नि प्रवण पाया गया है।

फॉरेस्ट इन्वेंटरी रिकॉर्ड के अनुसार भारत में 54.40 प्रतिशत वन कभी-कभी आग की चपेट में आते हैं। 7.49 प्रतिशत मामूली रूप से बार-बार जलते हैं, जबकि 2.40 प्रतिशत वन अक्सर जलते रहते हैं। देश का 35.71 प्रतिशत वन क्षेत्र कभी भी आग की चपेट में नहीं आया। उत्तराखण्ड सरकार ने वनों में भड़की आग पर काबू पाने के लिए वायुसेना के हेलीकाप्टर मोर्चे पर उतार दिए हैं। वनकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। इस पर सेवा निवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एमसी भण्डारी इसे सेना का दुरुपयोग बताते हैं और कहते हैं कि सेना का उपयोग केवल बेहद गंभीर स्थितियों में तब किया जाता है जब सिविल एडमिनिस्ट्रेशन असफल हो जाता है और स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर हो जाती है।

इससे लगता है कि उत्तराखण्ड का शासन प्रशासन जंगल की आग से निपटने में विफल हो चुका है और स्थिति उसके काबू से बाहर हो चुकी है। जबकि राज्य में वन नौकरशाही का आकार बहुत बड़ा है। जनरल भंडारी के अनुसार अगर सरकार स्थानीय निवासियों पर जंगल को बचाने की जिम्मेदारी सौंपे तो वे बेहतर नतीजे दे सकते हैं। वनों को बचाना स्थानीय निवासियों की आय से भी जोड़ा जाना चाहिए। जनरल के अनुसार इसी तरह हेमकुण्ड साहब की यात्रा के मार्ग से बर्फ हटाने का काम भी सेना को दे रखा है। यह काम स्थानीय निवासियों से कराया जाता तो स्थानीय आर्थिकी में सुधार होता।

ऐसा नहीं कि सरकारों ने वनों को आग के रहमोकरम पर छोड़ दिया हो। वनों के महत्व को देखते हुए ही संसद ने संविधान संशोधन के जरिये वनों को 1976 में राज्य सूची से निकाल कर समवर्ती सूची में शामिल कर दिया था ताकि वनों को बचाने में केन्द्र सरकार की सीधी दखल रहे। वनो में आग का पता लगाने और त्वरित प्रतिक्रिया की सुविधा के लिए अग्नि टावरों, उपग्रह निगरानी, ड्रोन और रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकियों जैसी आधुनिक व्यवस्थाऐं केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा की गई है।

भारतीय वन सर्वेक्षण विभाग उपग्रह द्वारा निरन्तर अग्निकांड़ों पर नजर जमाए हुए है। हर साल अग्नि सुरक्षा पर अरबों रुपये खर्च हो रहे हैं। लेकिन जंगल फिर भी धधक रहे है। इसका मतलब साफ है कि, इस दिशा में कमियां मौजूद हैं जिन्हें दूर किए जाने की जरूरत है। वन सीधे तौर पर स्थानीय समुदाय के जनजीवन से जुड़े होते हैं और बिना उनके वनों की सुरक्षा मुमकिन नहीं है। लेकिन वन नौकरशाही का रवैया स्थानीय समुदाय के प्रति सहयोगात्मक नहीं रहता।

कभी लोग अपने जंगलों को स्वयं ही आग से बचाते थे लेकिन जब से जंगल सरकारी हो गये तब से कुछ लोगों द्वारा ही जंगलों में आग लगाने की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। इसलिये जंगलों के प्रति लोगों के साथ ही वन नौकरशाही को भी जागृत किये जाने की आवश्यकता है।

अक्सर वन विभागों को बजटीय बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक जागरूकता अभियान, प्रारंभिक पहचान प्रणाली, अग्निशमन उपकरण और कर्मियों के प्रशिक्षण जैसी आग रोकथाम गतिविधियों के लिए सीमित संसाधन होते हैं। इसलिए वन विभागों को बजट की शिकायत का मौका नहीं दिया जाना चाहिए।

ऐसे भी मामले सामने आए हैं कि वनीकरण के फर्जी आकड़ों की सच्चाई छिपाने के लिये भी जंगलों को आग के हवाले कर दिया जाता है। इसलिए उस भ्रष्टाचार पर भी अंकुश की जरूरत है। वन प्रबंधन और आग की रोकथाम से संबंधित कानूनों और विनियमों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता भी अनुभव की जाती रही है। भारत में जंगल की आग पर अधिक व्यापक अनुसंधान और डेटा संग्रह की आवश्यकता भी है।

स्पेशल

हिंसा के एक साल बाद भी मणिपुर में अब तक संकट बरकरार

> जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य मणिपुर में अब भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपती अब तक इस हिंसा की मार झेल रहे हैं। पिछले साल तीन मई के बाद से हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग विस्थापित हो गए।

काव्या मिश्रा

मणिपुर में पिछले साल तीन मई को शुरू हुई जातीय हिंसा अभी तक जारी है। हिंसा के बाद से न जाने कितने परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। वहीं, कई मैतेई-कुकी दंपतियों को अलग-अलग रहना पड़ रहा है। सोचिए उस मां के दिल पर क्या बीतती होगी, जिसे महीने में एक बार अपने बच्चों को देखने का मौका मिलता है। वहीं एक ऐसा पिता जिसने अपनी बेटी को पैदा होने के बाद से नहीं देखा हो। वहीं, महिलाओं का यह डर कि कहीं उनके पति उन्हें छोड़ तो नहीं देंगे, आगे क्या होगा। आने वाले समय में क्या होगा। ऐसे ही सवालों की चिंताओं से घिरे कई लोग हैं। महीने में केवल एक बार मिलना, बच्चों को नहीं देख पाना और भविष्य में रिश्ता टूटने का डर इन लोगों की नियति बन गई है।

जातीय संघर्ष से प्रभावित राज्य में इंफाल घाटी में मैतेई बहुतायत में हैं तो कुकी समुदाय के लोग पर्वतीय क्षेत्रों में रह रहे हैं। राज्य में अब भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है जहां अंतरजातीय विवाह करने वाले दंपती अब तक इस हिंसा की मार झेल रहे हैं। पिछले साल तीन मई के बाद से हिंसा में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग विस्थापित हो गए।

इन दंपतियों की अनेक करुणा भरी कहानियां हैं। एक मां है जो महीने में एक बार अपने बच्चों से मिल पाती है तो एक पिता ने अपनी बेटी के जन्म से अब तक उसे नहीं देखा है। यहां तक कि ऐसे हालात बन गए हैं कि परिवारों पर टूटने का खतरा भी पैदा हो गया है। जातियों के बीच टकराव के हालात ऐसे हैं कि एक महिला को लगता है कि कहीं उसका पति उसे छोड़ तो नहीं देगा, वहीं एक शादीशुदा जोड़ा सोच रहा है कि उनका भविष्य अब क्या होगा। भविष्य को लेकर इन लोगों के मन में अनिश्चितता बनी हुई है।

कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वाली आइरीन हाओकिप शादी के बाद इंफाल में रहने लगीं। 42 वर्षीय हाओकिप को पिछले साल कुकी बहुल चुराचांदपुर में अपने माता-पिता के पास लौटना पड़ा। वहीं, उनके पति और पांच साल का एक बेटा तथा तीन साल की बेटी इंफाल में ही रह रहे हैं। हाओकिप ने कहा, मेरे पति निर्माण मजदूर के रूप में काम करते थे। मेरी उनसे मुलाकात बिष्णुपुर में पड़ोस में एक मकान के निर्माण के दौरान हुई थी। हमें प्यार हो गया। वह मुझसे मिलने अक्सर इलाके में आते थे। हमने 2018 में शादी कर ली और हमारे दो बच्चे हुए।

बिष्णुपुर मैतेई बहुल इंफाल और कुकी बहुल चुराचांदपुर के बीच है। यहां पहले दोनों समुदायों के लोग रहते थे और अब इसे बफर जोन माना जाता है।

हाओकिप ने कहा, मेरे पति ने पिछले साल मुझे मेरे माता-पिता के पास भेज दिया। उन्हें संघर्ष शुरू होने के बाद घाटी में मेरी सुरक्षा की फिक्र थी। बच्चे उनके साथ हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि मैतेई के बच्चे होने की वजह से वे चुराचांदपुर में सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह हर महीने पड़ोसी राज्य मिजोरम में अपने पति और बच्चों से मिलने जाती हैं। इसके लिए उन्हें एक तरफ से 15 घंटे सफर करना होता है।

उन्होंने बताया, पति बच्चों को भी लेकर वहां आते हैं। कई अन्य दंपती भी ऐसा कर रहे हैं। हम महीने में एक बार मिलते हैं और अपने-अपने घर वापस आ जाते हैं। मेरे बच्चे मेरी कमी महसूस करते हैं लेकिन यह जिंदा रहने और मां की ममता के बीच किसी एक चीज को चुनने जैसा है।

कई स्थानीय लोग बताते हैं कि मणिपुर में मैतेई-कुकी विवाह पहले असामान्य नहीं होते थे और इन्हें लेकर कभी कोई सामाजिक समस्या नहीं रही। दोनों समुदाय के लोग आपस में घुल-मिल जाते थे। परेशानी पिछले साल तीन मई तो तब शुरू हुई, जब मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग के खिलाफ पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला गया था और हिंसा भड़क गई।

कुकी समुदाय के लैशराम सिंह हिंसा शुरू होने के करीब एक महीने बाद ही पिता बने थे, लेकिन उन्होंने अब तक अपनी बेटी का चेहरा नहीं देखा है। जब उन्हें 2022 में अपनी पत्नी के गर्भवती होने का पता चला था तो खुशी से फूले नहीं समाए सिंह ने अपनी बेटी के लिए कई सपने देखे थे। इस दंपती ने जून महीने में अपनी पहली संतान के जन्म से पहले कपड़ों और खिलौनों की खरीदारी की। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

हिंसा शुरू होने के बाद सिंह कुकी बहुल पहाड़ी क्षेत्र में आ गए और उनकी पत्नी अचनबा, जो मैतेई हैं, वहीं रुकी रहीं। अचनबा के माता-पिता की पांच साल पहले मौत हो गई थी और उन्हें पिछले साल मई में इंफाल घाटी में एक राहत शिविर में जाना पड़ा जहां उन्होंने जून में एक बच्ची को जन्म दिया। सिंह ने पिछले 11 महीने से अब तक अपनी बेटी का चेहरा नहीं देखा है।

अचनबा को कभी-कभी डर लगता है कि यह दूरी कहीं उनके रिश्ते को समाप्त नहीं कर दे। उन्होंने कहा, ना तो मैं विधवा हूं और ना ही तलाकशुदा। फिर पता नहीं, यह किस तरह का अलगाव है।

पिछले साल तक महिलाओं के बाजार इमा कीथेल में एक दुकान चलाने वाली कुकी समुदाय की निर्मला अब पहाड़ी क्षेत्र में रहती हैं और उनके पास आजीविका का कोई स्थायी स्त्रोत नहीं है। उनके पति मैतेई हैं और अपने बेटे तथा माता-पिता के साथ इस समुदाय के बाहुल्य वाले इंफाल के सुगनू इलाके में रहते हैं। शुरू में निर्मला के पति पैसे भेजते थे लेकिन अब उन्होंने ऐसा करना बंद कर दिया है।

निर्मला को डर लगता है कि कहीं उनके पति उन्हें छोड़ नहीं दें। मैतेई समुदाय की पेमा दिंपू और उनके कुकी पति के बीच अक्सर यह चर्चा होती है कि उन्हें किसी और राज्य में जाकर बस जाना चाहिए। पेमा इंफाल में रहती हैं, जबकि उनके पति पहाड़ी क्षेत्र में रहते हैं।

ब्रीफ न्यूज़

थाने से महज 200 कदम की दूरी पर चोरों ने किया 7 लाख के माल पर हाथ साफ

आलोट। चोरों के हौसले इतने बुलंद होते जा रहे है की थाने से महज २०० कदम की दूरी पर सी. एस कालोनीं में चोरों ने एक सुनसान मकान पर करीब ८ लाख के माल पर हाथ साफ करके जीवन भर की कमाई पर हाथ साफ कर दिया सीएस कालोनीं में निवासरत गजेंद्र आचार्य अपने परिवार के साथ सावलिया जी मंदिर दर्शन करने के लिये मंगलवार की शाम को गये थे बुधवार की शाम को करीब 5.50 बजे के आसपास पड़ोसी का फोन आया की आपके घर के दरवाजे के ताले टूटे हुए है लेकिन उसके पहले ही में आलोट के लिये निकल चुका था रात को करीब ११ बजे में घर पहुँचा तो यहाँ देखा की मेन दरवाजा का नकुचा टूटा हुआ था और घर का सामान सब अस्तव्यस्त था पीछे के कमरे में रखी गोदरेज की अलमारी का दरवाजा और लॉकर भी टूटा हुआ था चोर यहाँ रखे २ लाख रुपये की नगदी और करीब ६ लाख की ज्वैलरी ले गये है जिसमे मंगल सूत्र, सोने का हार , चूड़िया, और चाँदी के गहने ले गये है जाँचकर्ता एसआई मनोज पाटीदार ने बताया की प्रकरण दर्ज कर लिया गया है मोके पर रतलाम से डॉग स्क्वाइड और फोरेंसिक जाँच टीम ने भी आकर घटना स्थल का मोका मुआयना किया है जल्दी ही अपराधियों को पकड़ लिया जावेगा पहले भी नगर में सुनार मोहल्ले में और शंकर मंदिर रोड़ और इसी कालोनीं में चोरों ने करीब ५ छोटी बड़ी चोरी की घटनाओ को अंजाम दिया है जिन्हें पुलिस अभी तक इन घटनाओं का भी खुलासा नहीं कर पाई है चोरों ने वापस थाने के समीप ही घटना को अंजाम दे कर एक बार फिर पुलिस को चुनौती दी है।

मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले से शराब की बिक्री रहेगी प्रतिबंधित

खण्डवा। लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत खण्डवा संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान 13 मई को तथा मतगणना 4 जून को होगी। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनूप कुमार सिंह ने मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व अर्थात 11 मई की सायं 6 बजे से 13 मई को मतदान समाप्ति तक के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। साथ ही मतगणना दिवस 4 जून को भी शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश जारी किया है। जारी आदेश अनुसार विधानसभा क्षेत्र से 3 कि.मी. की परिधि में आने वाली खण्डवा जिले की हरसूद विधानसभा क्षेत्र की मदिरा दुकानों को 11 मई की सायं 6 बजे से 13 मई की मतदान समाप्ति तक बंद रखी जाने के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर घोषित शुष्क दिवस की अवधि में जिले की खण्डवा, पंधाना एवं मांधाता विधानसभा क्षेत्र की सभी देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानों और होटल बार लायसेंस (एफएल- 3), वाईन आउटलेट को पूर्णतः बंद रखा जावे। साथ ही मदिरा के व्यक्तिगत भंडारण एवं गैर लायसेंस प्राप्त परिसर में मदिरा के भंडारण पर सख्ती से रोक लगाई जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी अधिकृत या अनाधिकृत स्थान से मदिरा का विक्रय और परिवहन निर्धारित अवधि में न होना पाये।

राशन के स्टॉक में अनियमितता पाए जाने पर प्रकरण दर्ज

खण्डवा। विकासखंड बलड़ी स्थित सेवा सहकारी समिति सोमगांवखुर्द द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान लहाड़पुर की जाँच खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा की गई। जांच में राशन के स्टॉक में अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। प्रकरण अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरसूद द्वारा कार्यवाही कर अंतिम निराकरण में खुर्दबुर्द किए गए गेंहू, चावल , शक्कर का विक्रेता रमेशचंद्र उईके पर कुल 13,87,477 रुपए वसूली के आदेश तथा विक्रेता पद से हटाने के आदेश पारित किये गए एवं विक्रेता रमेश चंद्र उइके के विरुद्ध ईसी एक्ट 1955 की धारा 3/7 अंतर्गत किल्लौद थाने में श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट 1 मई 2024 को दर्ज करवाई गई। किल्लौद थाना प्रभारी ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। जिला आपूर्ति अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला द्वारा बताया गया कि इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर की जा रही है तथा गंभीर अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत एफआईआर की कार्यवाही की जावेगी।

लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा, कृषि उपार्जन समितियों से की थी 1 लाख 15 हजार की रिश्वत की मांग

रिश्वत की राशि से सहायक आयुक्त जरिया के हाथ हुए लाल

शाजापुर। समर्थन मूल्य पर चल रही गेहूं की खरीदी के मामले में सहायक आयुक्त सहकारिता को लोकायुक्त उज्जैन पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जैसे ही उनके हाथ धुलवाए गए सहायक आयुक्त के हाथ लाल हो गए। जिसके बाद लोकायुक्त पुलिस ने उनसे रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली।

दरअसल मामले में आवेदक हरीदास वैष्णव ने लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत की थी। जिसमें बताया था कि समर्थन मूल्य पर कृषि उपार्जन करने वाली समितियों से प्रति क्विंटल 1 रुपए के हिसाब से सहायक आयुक्त सहकारिता आरसी जरिया द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है। ऐसे में पांच सोसायटी के मिलाकर कुल 1 लाख 15 हजार रुपए की रिश्वत की मांग किए जाने के शिकायत के बाद संबंधित के रिश्वत मांगे जाने को लेकर साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद गुरुवार को किला परिसर में स्थित कार्यालय में रिश्वत की राशि लेकर फरियादी वैष्णव को लोकायुक्त द्वारा भेजा गया। जिन्होंने उपायुक्त सहकारिता कार्यालय पहुंचकर उन्हें रिश्वत दी और बाहर आकर फरियादी ने लोकायुक्त पुलिस को इसकी शिकायत कर दी। इशारा पाते ही लोकायुक्त की टीम ने मौके पर पहुंचकर सहायक आयुक्त जरिया को दबोच लिया और उनके हाथ धुलवाए जो पानी लगते ही लाल हो गए। इसके बाद सहायक आयुक्त जरिया से रिश्वत की राशि भी लोकायुक्त पुलिस ने बरामद कर ली। इसके बाद आरोपी के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान उप पुलिस अधीक्षक राजेश पाठक, सुनील तालान, इसरार, लोकेश, शिवकुमार शर्मा, रमेश डाबर, श्याम शर्मा मौजूद थे।

किससे कितनी राशि की मांग

सहायक आयुक्त सहकारिता आरसी जरिया दासताखेड़ी से 50 हजार, गोदना समिति से 16 हजार, केवड़ा खेड़ी समिति से 21 हजार, मंगलाज समिति से 9 हजार तथा नोलाय समिति से 19 हजार इस प्रकार उन्होंने 1 लाख 15 हजार की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किए गए।

सत्यापन में सही पाई गई शिकायत

लोकायुक्त पुलिस उज्जैन के डीएसपी राजेश पाठक ने बताया कि दास्ताखेड़ी उपार्जन समिति के प्रबंधक हरिदास वैष्णव लोकायुक्त एसपी विश्वकर्मा को आवेदन दिया था कि सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा जितनी भी समिति है उनसे उपार्जन पर प्रति क्विंटल एक रू. की दर से रिश्वत मांगी जा रही है। इस पर डीएसपी को एसपी विश्वकर्मा द्वारा शिकायत का सत्यापन करने को कहा गया जो सही पाया गया। उन्होंने बताया कि पांच समितियों ने मिलकर शिकायत करने मन बनाया और अपना सहमति पत्र हरिदास वैष्णव को दिया गया, जिन्होंने सभी से रिश्वत की राशि एकत्रित कर सहायक आयुक्त को दी। इसके बाद हमारे द्वारा यह कार्रवाई की गई।

शहर के बच्चों ने उज्जैन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बनाया रिकॉर्ड, मुदित नायक बने चैम्पियन ऑफ चैम्पियन

8 मिनट में हल किए गणित के 200 सवाल

शाजापुर। माइंड पावर अबेकस सिस्टम की अंतराष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता उज्जैन में आयोजित की गई। जिसमें भारत और नेपाल दोनों देशों के सैंकड़ो बच्चों ने भाग लेकर गणितीय कौशल का प्रदर्शन किया। जिन्होंने केवल 8 मीनिट में ही 200 गणित के प्रश्न हल कर दिए।

इस प्रतियोगिता में छात्र मुदित नायक ने चौंपियन ऑफ चौंपियन की ट्राफी पर कब्जा किया। साथ ही डिजायर नेपाल, आर्या अग्रवाल, सुजल पाटीदार, लक्ष्य खण्डेलवाल ने ग्रुप चेंपियन और अभिक राजवेद, एकाग्र रानीवाला, सार्थक पारस, अगम जैन, जय मंडलोई, मिताली सिंह, राजवीर बौड़ाना, लक्ष्य राजपूत, शोर्यसिंह परमार, दिव्यांश पाटीदार, आदि पोरवाल, अवधि राठौर, आरुष अग्रवाल, आराध्य पाटीदार को चेंपियन की ट्राफी से सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले अन्य बच्चों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। कालिदास संस्कृत एकेडमी उज्जैन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में छात्रो को संबोधित करते हुए नेपाल से आये हुए मुख्य अतिथि अबेकस एज्युकेशन के नेपाल सीईओ प्रवीण ओस्ती ने कहा कि माइंड पावर अबेकस सिस्टम की मदद से बच्चे अपने विद्यार्थी जीवन की शुरूआत में ही गणित के कठिन से कठिन प्रश्नों का हल अपनी उंगलियों पर कर सकते हैं। एमपीएएस एज्युकेशन के इंडिया सीईओ राम पाटीदार ने छात्रो को संबोधित करते हुए कहा कि इन युवा गणितज्ञों के बीच प्रतिभा और समर्पण के स्तर को देखना वास्तव में प्रेरणादायक है। प्रतियोगिता हमारे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता पर प्रकाश डालती है।

लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए साइकिल एवं स्केटिंग रैली के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जागरूकता अभियान के तहत किया जा रहा नवाचार

देवास। देवास जिले में लोकसभा निर्वाचन-2024 में शतप्रतिशत मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषव गुप्ता तथा सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल स्वीप अभियान श्री हिमांशु प्रजापति के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही है। लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में नवाचार करते हुए जिले में साइकिल और स्केटिंग रैली का आयोजन किया गया। रैली जिलेभर में भ्रमण करते हुए मतदाता जागरूकता का संदेश दे रही है। नगरीय स्वीप प्रभारी स्मिता रावल ने बताया कि रैली नगर परिषद हाटपीपल्या, बागली, कांटाफोड़ सहित अन्य नगरीय निकायों में मतदाता जागरूकता का संदेश देकर मतदाताओं से लोकसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का उपयोग करने का आग्रह कर रही है। उल्लेखनीय है कि जिलेभर में भ्रमण कर मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए साइकिल और स्केटिंग रैली को सीईओ जिला पंचायत श्री हिमांशु प्रजापति ने गत दिवस कलेक्टर कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह दल राजोदा, बरोठा, नेवरी, हाटपीपल्या, बागली, काटाफोड़ कन्नौद, खातेगांव, सोनकच्छ, भंवरासा होते हुए देवास लौटेगा। मार्ग में आने वाले गांवों में यह दल लोकतंत्र को मजबूत करने हेतु सौ प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को प्रेरित करेगा। दल में देवास जिला साइकिल एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष गुप्ता, उपाध्यक्ष अभिषेक लाठी, सचिव पवन यादव, कोषाध्यक्ष संदीप जाधव, सहसचिव पावन पाटिल, सदस्य शैलेन्द्र चंद्रवंशी, राजवीर ठाकुर, स्केटिंग के ध्रुव चौहान, हरिप्रिया यादव, अक्षत राठौर, कुमकुम सोलंकी और काजल कुमावत शामिल है।

कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल के समर्थन में गणेशगंज से प्रारंभ हुआ प्रभावी जनसंपर्क

शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी हो रहा जनसंपर्क

खंडवा। 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल के समर्थन में 1 मई गुरुवार से शहर के प्रत्येक वार्डों में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकताओं के साथ पहुंचकर चुनावी जनसंपर्क करते हुए मतदाताओं से कांग्रेस को जीताकर इस बार केंद्र में कांग्रेस सरकार बनाने का अनुरोध किया, जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि चुनावी जनसंपर्क का शुभारंभ 1 मई गुरुवार को प्रातः 9:00 बजे खेड़ापति हुनमान मंदिर में दर्शन पश्चात गणेशगंज वार्ड से प्रारंभ हुआ, ढोल ढमाको के साथ कार्यकर्ता घर-घर जाकर पिछले कई सालों से जनता का विकास करने वाली एवं जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंचने वाली एवं पार्टी के पांच न्याय की जानकारी देकर जनता को होने वाले लाभ बता कर कांग्रेस को जीताने का अनुरोध जनसंपर्क के दौरान किया गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय ओझा एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मुनीश मिश्रा ने बताया कि गुरुवार को कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल के समर्थन में प्रभावी जनसंपर्क प्रातः 9:00 बजे गणेशगंज से प्रारंभ होकर रंजीत वार्ड, सूरजकुंड वार्ड, गणेश तलाई में पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकताओं की उपस्थिति में जनसंपर्क हुआ।वही शाम को 5 बजे अजाक थाना कोर्ट के सामने सर्वोदय नगर, अवस्थी चौराहा, माता चौक पंजाबी कॉलोनी , जसवाड़ी रोड, इंदिरा चौक में जनसंपर्क कर नरेंद्र पटेल के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय ओझा,शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ मुनीश मिश्रा,इंदलसिह पवार, गाडरवाड़ा पूर्व विधायक सुनीता पटेल,हेमलता पालीवाल, सुनीता रायकवार,अमरेश पांडेय,आलोक सिंह रावत, अर्ष पाठक,यशवंत सिलावट,विकास व्यास,मनोज मंडलोई,अजीज मदनी,दीपक मुल्लु राठौड़,जिला प्रवक्ता प्रेमांशु जैन,मंगा तिवारी,अतुल रावत,नासिर खान,रईस अब्बासी,अनुराग अत्रे,बलराम वर्मा,अश्विनी चौहान,गुरप्रीत सिंह,राजू बडूर,वीरेंद्र गौतम,अक्षत अग्रवाल,वामनराव जाधव,लोकेंद्र गंगराड़े आदि कांग्रेसजन मौजूद थे। गुरुवार को जिला पंचायत क्षेत्र में पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर के विधायक फुन्देलाल मार्को जी एवं कांग्रेस के पदाधिकारियों,कार्यकताओं के साथ क्रमशःग्राम कुसुम्बिया,उमरदा,पाबई,डापक्या, बिलुद,मान्डवा,जामली,राजगढ़,दीवाल आदि गांवों में खण्डवा लोकसभा प्रत्याशी भाई नरेंद्र पटेल के समर्थन में जनसंपर्क किया 'इस अवसर पर मनोज भरतकर जिला पंचायत सदस्य, देवेन्द्र सिह रानावत, वकील पठान, गोविंद सागर, सिराज अली, चेतराम मोरे,धर्मेंद्र सिंह राठौर ब्लॉक अध्यक्ष कडवा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे। वहीं पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे ने पंधाना, डुल्हार, रुस्तमपुर, चमाटी,आवलिया,कोल्हाडिट क्षेत्र का दौरा किया इस अवसर पर विधानसभा प्रत्याशी रुपाली बारे के साथ सदाशिव महाजन, रामगोपाल महाजन, शांति गुप्ता, मुरली महाजन सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

अनुपस्थित मतदाता और मतदाता पर्ची के वितरण कार्य की समीक्षा

खण्डवा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रमरचले बूथ की ओररअभियान के तहत आज उपयुक्तद्वय जाकिर जाफरी और सचिन कुमार सिटोले ने नगर निगम सभागृह में आयोजित बी.एल.ओ.की बैठक मे अनुपस्थित मतदाताओ और मतदाता पचीर्यों के वितरण कार्य की समीक्षा की।बी.एल.ओ से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित कर उन्हें मतदान दिवस 13 मई 2024 को मतदान करने के लिए मतदान केंद्र पर आने का अनुरोध करे। उपयुक्तद्वय जाफरी और सचिन कुमार सिटोले ने आज माता महालक्ष्मी, पदमकुंड की दुबे कॉलोनी दादाजी धूनीवाले और संजय नगर वार्ड में पहुंचकर मतदाताओं से चर्चा की और उन्हें परिवार सहित मतदान करने का अनुरोध किया। उपयुक्तद्वय ने बी.एल.ओ से दिव्यांग मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के मतदान कराए जाने के संबंध में भी चर्चा की। इस दौरान मतदाताओं को मतदान किए जाने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री एच.आर.पांडे सहायक यंत्री संतोष कुमार पांडे, प्रभारी राजस्व अधिकारी हरीश दुबे राजस्व निरीक्षक राम चरणलाल खरे, सहायक जनसंपर्क अधिकारी गौरव खरे सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे

लघु उद्योग भारती का अभा स्तर का उद्यमी सम्मेलन

अयोजन को लेकर हुई लघु उद्योग भारती की बैठक सम्पन्न

देवास। लघु उद्योग भारती का अखिल भारतीय स्तर का तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारिणी की बैठक देवास में होने वाला है ' जो की दिनांक 5 से 7 अगस्त 2024 को होगा ' जिसमे अखिल भारतीय स्तर के सभी पदाधिकारी के साथ देश प्रदेश के उद्यमी भी उपस्थित रहेंगे' सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संगठन का विस्तार और नए उद्यमियों को जोड़ना का है ' देवास में आज आयोजन की तैयारी को लेकर प्रदेश की सभी इकाइयों के पदाधिकारी की बैठक सम्पन्न हुई' बैठक में मुख्य रूप से अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष समीर मूंदड़ा, प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी, प्रदेश सयुक्त महामंत्री सतीश मुकाती, प्रान्त से राजेंद्र दुबे पीथमपुर, राजेश गर्ग उज्जैन, राजेश अरोड़ा आगर, श्रीमती सीमा मिश्रा धामनोद, शिवनारायण शर्मा इंदौर, अतिथ अग्रवाल उज्जैन. रणवीर सिंह आंजना आगर व सभी इकाइयो के अध्यक्ष सचिव उपस्थित थे ' बैठक की शुरूवात भारत माता व भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना कर की गई' बैठक में होने वाले अयोजन के लिए सभी ने अपने अपने सुझाव दिए' देवास इकाई अध्यक्ष प्रतिक गुप्ता ने देवास में होने वाले इस अयोजन के लिए देवास इकाई के दायित्व पर प्रकाश डाला' साथ ही सभी ने अयोजन की व्यवस्था के लिए समितियों का गठन किया ' समिति में प्रदेश की हर इकाई को जिम्मेदारी दी गई ' बैठक में देवास इकाई से संजय तलाठी, मुकेश वर्मा, जितेंद्र जायसवाल, निशांत अग्रवाल, विशाल जैन, सुभाष सिंदे, साथ ही महिला इकाई से श्रीमती रचना तलाठी, श्रीमती राधिका मूंदड़ा, श्रीमती किंशू गुप्ता, श्रीमती सारिका राय उपस्थित रहे। यह जानकारी देवास इकाई सचिव विजेंद्र उपाध्याय ने दी ।

मैदान की क्षमता करीब दो ढाई लाख लोगों की, चालीस हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी

दरभंगा में मोदी की रैली के लिए बन रहा पंडाल, 4 मई को करेंगे सभा

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के ऐतिहासिक राज मैदान में चार मई को भाजपा के शीर्ष नेता नरेंद्र मोदी एनडीए उम्मीदवार गोपाल जी ठाकुर के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। मोदी की सभा को लेकर राज मैदान में भव्य पंडाल और मंच का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। सैंकड़ों मजदूर तरह-तरह के अत्याधुनिक मशीन के साथ पंडाल और मंच निर्माण काम में लगे हुए हैं। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार पुलिस प्रशासन की टीम भी राज मैदान का दौरा करती दिखाई दे रही है। इस सभा की सफलता को लेकर भाजपा के नगर विधायक संजय सरावगी खुद राज मैदान पहुंचकर तैयारी में जुटे हुए हैं। कहीं कोई कमी न हो इसके लिए विधायक जी अपने समर्थकों के साथ पूरे मैदान में घूम-घूम कर एक-एक चीज को बारीकी से देख रहे हैं।

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार मई को दो बजे दिन में दरभंगा के ऐतिहासिक राज मैदान में सभा को संबोधित करेंगे। इस सभा में ढाई लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। भाजपा द्वारा इस सभा में बनाए जा रहे पंडाल में चालीस हजार कुर्सियां लगाई जाने की व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि इसी राज मैदान में 2019 के 24 अप्रैल को नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित किया था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की खबर के बाद जिला प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए राज मैदान पहुंचकर माथापच्ची करता दिखाई दे रहा है। दरभंगा नगर के विधायक संजय सरावगी ने प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि मिथिला के पाहुन भगवान् श्रीराम को अयोध्या में राम जन्म भूमि में बने भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठ के बाद माता सीता की धरती पर प्रधानमंत्री आ रहे हैं। ऐसे में मिथिला के लोग प्रधानमंत्री की एक झलक देखने और उन्हें सुनने को बेताब हैं।

राज मैदान में होगी ऐतिहासिक चुनावी सभा

सभा की तैयारी को लेकर नगर विधायक संजय सरावगी ने बताया कि चार मई को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दरभंगा के राज मैदान में ऐतिहासिक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। मैदान में विशाल पंडाल बनाए जा रहे हैं, जिसके अंदर तकरीबन चालीस हजार कुर्सियां लगाई जाएंगी। ताकि कड़ी धूप में लोगों को कोई असुविधा नहीं हो। उन्होंने दावा कर कहा कि मैदान की क्षमता करीब दो ढाई लाख लोगों की है जितने लोग मैदान में होंगे, उससे कहीं ज्यादा लोग मैदान के बाहर भी दिखाई देंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि मिथिला के पाहुन भगवान् श्रीराम को अयोध्या में राम जन्म भूमि में बने भव्य राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद माता सीता की धरती प्रधानमंत्री आ रहे हैं। ऐसे में मिथिला के लोग प्रधानमंत्री की एक झलक देखने और उन्हें सुनने को बेताब हैं। लोगों का अपार समर्थन मिथिला में मोदी जी को मिलता है। प्रधानमंत्री जब दरभंगा में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे तो इसका बड़ा प्रभाव कई लोकसभा सीट पर होगा, इसका फायदा सीधे बीजेपी को मिलेगा।

कैलिफोर्निया में फ्रेस्नो पुलिस विभाग ने कहा- मीडिया में चल रही खबरें गलत

अमेरिका पुलिस ने गोल्डी बराड़ की मौत से किया इनकार

चंडीगढ़। पंजाब का वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ जिंदा है। बुधवार को उसकी मौत की खबरें मीडिया में आई थी। इसके बाद कैलिफोर्निया में फ्रेस्नो पुलिस विभाग ने इसका खंडन किया। कि गोलीबारी की घटना में हमला करने वाले दो व्यक्तियों में से एक कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ था। बता दें कि बुधवार को गोल्डी बराड़ की मौत की खबर सामने आने के बाद गैंगस्टर अर्श डल्ला और लखबीर ने इसकी जिम्मेदारी भी ले ली थी।

फ्रेस्नो पुलिस विभाग के लेफ्टिनेंट विलियम जे डूली ने कहा कि किसी ऑनलाइन चैट के कारण दावा किया जा रहा है कि गोलीबारी का शिकार गोल्डी बराड़ है, तो हम पुष्टि करते हैं कि यह बिल्कुल सच नहीं है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन समाचार एजेंसियों पर फैलाई जा रही सूचना के परिणामस्वरूप हमें दुनिया भर से सवाल मिले हैं। हमें नहीं पता कि यह अफवाह किसने शुरू की, लेकिन इसने तूल पकड़ लिया और जंगल की आग की तरह फैल गई। लेकिन यह सच नहीं है। पुलिस ने अभी तक उन दो व्यक्तियों की पहचान नहीं की है जिन पर हमला किया गया था, जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। दूसरे व्यक्ति को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

मंगलवार शाम को हुई थी फायरिंग

मंगलवार शाम को लड़ाई के बाद फ्रेस्नो के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में दो युवकों पर हमला किया गया था। गोलीबारी की खबरें भारत में जंगल की आग की तरह फैल गईं, जिसमें दावा किया गया कि मृतक गैंगस्टर गोल्डी बराड़ था। गोल्डी बराड़ पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला था। गोल्डी बराड़ के चचेरे भाई गुरलाल बराड़ की चंडीगढ़ में हत्या की गई थी। गुरलाल को इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित एक क्लब के बाहर 11 अक्टूबर, 2020 की रात गोली मारी गई थी। वह पंजाब यूनिवर्सिटी का छात्र नेता था।

सिद्धू मूसेवाला हत्या मामले में लॉरेंस गोल्डी समेत 25 पर आरोप तय

मानसा। गायक शुभदीप सिंह सिद्धू (सिद्धू मूसेवाला) की हत्या के मामले में मानसा जिला अदालत ने बुधवार को लॉरेंस बिश्नोई व जग्गू भगवानपुरिया समेत 25 लोगों पर आरोप तय कर दिए। इसके अलावा अदालत ने आरोपी गोल्डी बराड़, लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया, चरणजीत चेतन व जगतार सिंह की ओर से निर्दोष होने की लगाई गई अर्जी खारिज कर दी गई है।

उन्होंने अदालत में अर्जी लगाकर सिद्धू मूसेवाला कत्ल मामले से कोई संबंध न होने की बात कही थी। अदालत में सिद्धू मामले में आरोप तय होने के बाद अदालत के फैसले पर संतुष्टि जाहिर करते हुए सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने कहा कि अब इस केस में कुछ उम्मीद बंध गई है। इससे पहले वह अंधेरे में ही हाथ मार रहे थे। उन्होंने कहा कि मूसेवाला कत्ल मामले में बहुत से सफेदपोश साजिशकर्ता हैं, लेकिन उनको अभी तक जांच में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्र व पंजाब सरकार ने इस मामले में उन्हें अभी तक परेशान ही किया है। बलकौर सिंह ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई का जेल से जारी हुए वीडियो की भी जांच अब तक नहीं हो पाई। लॉरेंस व उसके गैंगस्टर साथियों ने सरेआम पंजाब की जेलों में बैठकर ये साजिश रची और बहुत से पुलिस अफसर विदेशों में भी चले गए, जिनको जांच में शामिल नहीं किया गया।

आर्म्स एक्ट में किया गया है नामजद

केस में लगाई गई 120 बी में सभी 27 आरोपियों को नामजद किया गया है। केस में लगाई गई धारा 302,307 और 326 में इस केस के शूटरों को नामजद किया गया है। आर्म्स एक्ट में लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया व अन्य को शामिल किया गया है। 52 प्रिजन एक्ट में लॉरेंस और जग्गू भगवानपुरिया को नामजद किया गया है।

अगली सुनवाई 20 मई को

उन्होंने कहा कि एनआईए की जांच में सामने आ चुका है कि लॉरेंस बिश्नोई जेलों में बैठकर पांच करोड़ रुपये तक सालाना कमा रहा है और अब भी गैंगस्टरों की ओर से तरह-तरह के कत्ल की जिम्मेदारियां ली जा रही हैं। मानसा अदालत ने मूसेवाला कत्ल मामले में दोष तय करने के बाद इसकी अगली सुनवाई 20 मई को रखी है। बलकौर सिंह से गोल्डी बराड़ की मौत के मामले में पूछे गए सवाल पर अज्ञानता जताई।

याचिका में की गई थी कॉलेजियम सिस्टम को खत्म करने की मांग

कॉलेजियम सिस्टम : दायर याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति वाले कॉलेजियम सिस्टम के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में कॉलेजियम सिस्टम को खत्म करने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। याचिका को वकील मैथ्यूज नेदुमपारा ने दायर की थी।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वकील मैथ्यूज नेदुम्परा की इस दलील पर गौर किया कि कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करने का अनुरोध करने वाली उनकी रिट याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना है। वकील ने कहा, मैंने कई बार इसका उल्लेख किया है। रजिस्ट्री ने इसे खारिज कर दिया है और वह मेरी याचिका को सूचीबद्ध नहीं कर रही है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, रजिस्ट्रार (सूचीबद्ध करने से संबंधित) ने कहा है कि जब संविधान पीठ किसी चीज पर एक बार फैसला सुना दे तो अनुच्छेद 32 के तहत याचिका (इस अनुच्छेद के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर याचिका सीधे उच्चतम न्यायालय में दायर की जा सकती है) सुनवाई योग्य नहीं होती। रजिस्ट्रार के आदेश के विरुद्ध अन्य उपाय भी हैं।

मैं माफी चाहूंगा

वकीलों ने कहा कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) पर फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका चैंबर में खारिज कर दी गई थी। उन्होंने कहा, यह संस्था की विश्वसनीयता का सवाल है। कॉलेजियम प्रणाली को खत्म करना होगा। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं माफी चाहूंगा। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एनजेएसी अधिनियम और 99वें संविधान संशोधन को 17 अक्टूबर, 2015 को असंवैधानिक करार दिया था और इसे खारिज कर दिया था। इसमें नेताओं और नागरिक समाज को उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में अंतिम अधिकार देने का प्रावधान था। पीठ ने कहा था कि स्वतंत्र न्यायपालिका संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है।

न्यायाधीशों का समूह फैसला करता है कौन होंगे न्यायाधीश

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने कॉलेजियम प्रणाली को हटाने के लिए एनजेएसी विधेयक पारित किया था। इस प्रणाली के तहत न्यायाधीशों का एक समूह फैसला करता है कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश कौन होंगे। एनजेएसी ने इसके लिए छह सदस्यों वाली एक संस्था बनाने का प्रस्ताव रखा था जिसमें प्रधान न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के दो वरिष्ठतम न्यायाधीश, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री और दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों को सदस्य बनाने की बात की गई थी।

25 वर्षों में चुकानी होगी राशि, जेएंडजे के खिलाफ दायर मुकदमों में टैल्कम से ओवेरियन व मेसोथेलियोमा कैंसर होने का था आरोप

पावडर से कैंसर के मामलों में 648 करोड़ का मुआवजा देगी सहायक कंपनी

न्यू ब्रांसविक। जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) के टैल्कम युक्त बेबी पाउडर से ओवेरियन कैंसर के मामलों में समझौते के तहत जेएंडजे की एक सहायक कंपनी एलटीएल मैनेजमेंट 25 वर्षों में करीब 648 करोड़ डॉलर का मुआवजा देगी। जेएंडजे के खिलाफ दायर मुकदमों में आरोप था कि इसके टैल्कम से ओवेरियन व मेसोथेलियोमा कैंसर होता है।

कंपनी ने इन मामलों के निपटारे के लिए एक सहायक कंपनी के पुनर्गठन को कहा। इस बार कंपनी की योजना में 3 माह की आग्रह अवधि रखी गई। इस दौरान ओवेरियन कैंसर के दावेदार योजना के पक्ष-विपक्ष में मत दे सकते हैं। यदि 75% दावेदार पक्ष में हुए, तो एक सहायक कंपनी दिवालियापन दायर कर सकती है। इसके बाद मेसोथेलियोमा के लंबित केस योजना के बाहर निपटाए जाएंगे।

कंपनी के खिलाफ 60 हजार से ज्यादा ऐसे केस दर्ज हैं, जिनमें इसके बेबी पाउडर के इस्तेमाल से कैंसर होने का दावा किया गया है। कंपनी इन दावेदारों को भुगतान के लिए अपनी एक सहायक कंपनी को दिवालियापन में ले जाना चाहती है, ताकि अदालत के बाहर पीड़ितों के साथ समझौता कर इस मामले को निपटाया जा सके। हालांकि, कंपनी ने अब तक इस तथ्य को स्वीकार नहीं किया है कि उनके पाउडर में कोई खराबी थी और उससे कैंसर होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

यूक्रेन के खिलाफ रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है रूस

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इस बीच संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस पर यूक्रेन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय रसायनिक हथियार प्रतिबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगया। अमेरिका का कहना है कि रूस ने यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ चोकिंग एजेंट क्लोरोपिक्रिन को तैनात किया है। अमेरिका ने रूस पर यूक्रेन में दंगा नियंत्रण एजेंटों को इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। बता दें, क्लोरोपिक्रिन को रासायनिक हथियार निषेध संगठन (ओपीसीडब्ल्यू) ने प्रतिबंधित चोकिंग एजेंट के रूप में सूचीबद्ध किया है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में बताया कि रूसी सेना यूक्रेनी सेनाओं को उनके गढ़ से हटाने के लिए ऐसे रसायनों का इस्तेमाल कर रही है। दरअसल, हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट ने यूक्रेनी सेना के हवाले से कहा था कि रूस ने एजेंटों के अवैध उपयोग को बढ़ा दिया है। यूक्रेनी सेना का कहना है कि रूस क्लोरोपिक्रिन के अलावा, सीएस और सीएन गैसों से भरे ग्रेनेड का भी इस्तेमाल कर रहा है।

पवित्र बंधन

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मुकदमे में शादी प्रमाणपत्र को खारिज कर हिंदू विवाह की शर्तों को बताया

सात फेरों के बिना हिंदू विवाह को नहीं दी जा सकती मान्यता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हिंदू विवाह तब तक वैध नहीं है जब तक उचित रीति-रिवाजों और समारोहों के साथ न किया जाए। कोर्ट ने तलाक के मुकदमे में शादी प्रमाणपत्र को खारिज किया और कहा हिंदू शादी तो रीति रिवाज और सात फेरों से ही वैध होती है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने दो पायलटों के केस में यह आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे वैध रीति के अभाव में एक हिंदू विवाह को मान्यता नहीं दी जा सकती है। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत एक जोड़े द्वारा अग्नि के चारों ओर उठाए गए सात कदम, जो एक दूसरे से किए गए सात वचनों या सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करते हैं, अगर यह रस्म नहीं निभाई जाती हैं तो उसे हिंदू विवाह नहीं समझा जा सकता।

शादी का मतलब नाच-गाना नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू विवाह नाचने और गाने, खाने और पीने या व्यावसायिक लेनदेन का अवसर नहीं है और न ही अनुचित दबाव डालकर दहेज या उपहार मांगने का अवसर है। कोर्ट ने कहा यह एक पवित्र बंधन है जो एक महिला और पुरुष के बीच संबंध स्थापित करने के लिए है, जो भविष्य में एक विकसित परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा हासिल करते हैं, जो भारतीय समाज की एक बुनियादी इकाई है।

हिंदू विवाह एक संस्कार है: सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। बेंच ने भारतीय युवाओं से आग्रह किया कि युवा पुरुषों और महिलाओं को विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले ही इसके बारे में गहराई से सोचना चाहिए और यह भी जानें कि भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है।

यह है पूरा मामला:

सुप्रीम कोर्ट में एक महिला ने याचिका देकर तलाक की अर्जी बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत से झारखंड के रांची की एक अदालत में ट्रांसफर करने की मांग की थी। उसका दावा था कि 7 जुलाई, 2021 को शादी हुई थी और उन्होंने वैदिक जनकल्याण समिति से एक विवाह प्रमाण पत्र हासिल किया और इस प्रमाण पत्र के आधार पर दोनों ने उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियम, 2017 के तहत विवाह का पंजीकरण कराया, लेकिन बाद में पति-पत्नी में मतभेद हो गए और मामला कोर्ट पहुंचा।

जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 136.6 टन पहुंची सोने की कुल मांग

महंगाई के बावजूद भारतीयों ने तीन महीने में खरीदा 75470 करोड़ का सोना

नई दिल्ली। कीमतों के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद लोगों में सोने का आकर्षण बना हुआ है। यही वजह है कि देश में सोने की कुल मांग जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 136.6 टन पहुंच गई। कुल मांग में सोने के आभूषणों की खरीदारी और निवेश दोनों शामिल हैं। एक साल पहले की समान तिमाही में भारतीयों ने 126.3 टन सोना खरीदा था।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने वैश्विक रिपोर्ट गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स में कहा, मूल्य के लिहाज से भारतीयों ने जनवरी-मार्च, 2024 में 75,470 करोड़ रुपये का सोना खरीदा। यह सालाना आधार पर 20 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से इस बड़ी तेजी की वजह मात्रा में वृद्धि के साथ सोने की तिमाही औसत कीमतों में 11 फीसदी की बढ़त है। डब्ल्यूजीसी के भारत में क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन जैन ने कहा, भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक माहौल सोने की खपत बढ़ाने में सहायक रहा।

निवेश मांग में 19 फीसदी इजाफा

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सोने के आभूषणों की मांग जनवरी-मार्च, 2024 में 4 फीसदी बढ़कर 95.5 टन पहुंच गई। इस अवधि में सोने के बार और सिक्के के रूप में निवेश मांग 19 फीसदी बढ़कर 41.1 टन पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से इनमें क्रमशः 15 फीसदी और 32 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। देश में कुल 38.3 टन सोना रिसाइकिल किया गया, जो जनवरी-मार्च, 2023 के 34.8 टन से 10 फीसदी ज्यादा है। भारत ने जनवरी-मार्च, 2024 में 179.4 टन सोना आयात किया। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान तिमाही के 143.4 टन से 25 फीसदी ज्यादा है।

इस साल 800 टन तक पहुंच सकती है खपत

जैन ने कहा, इस साल भारत में सोने की मांग 700-800 टन के आसपास रह सकती है। कीमतों में तेजी रही तो मांग इस सीमा के निचले स्तर पर रह सकती है। 2023 में सोने की खपत 747.5 टन रही थी।

दुनिया में खपत 8 साल में सबसे अधिक

वैश्विक स्तर पर सोने की मांग जनवरी-मार्च, 2024 में तीन फीसदी बढ़कर आठ साल के उच्च स्तर 1,238 टन पर पहुंच गई। मांग के लिहाज से यह 2016 के बाद से सबसे मजबूत तिमाही रही।

आरबीआई ने खरीदा 19 टन सोना

रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई की खरीदारी बढ़ने से भी देश में सोने की मांग बढ़ी है। केंद्रीय बैंक ने जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में कुल 19 टन सोना खरीदा है। 2023 में पूरे साल के दौरान उसने 16 टन की खरीदारी की थी। आरबीआई ने आगे भी खरीदारी जारी रखने का संकेत दिया है।

पहली बार पूर्ण उलटफेर

भारत जैसे बाजार में सोना तब खरीदा जाता है, जब दाम नीचे आते हैं। पश्चिमी बाजार में सोने का आकर्षण तब बढ़ता है, जब दाम बढ़ते हैं। लेकिन, पहली बार हमने पूर्ण उलटफेर देखा है, जहां भारत में तेजी पर सोने की खरीदी बढ़ी है।
-सचिन जैन, क्षेत्रीय सीईओ, डब्ल्यूजीसी

मारुति ने बेचीं 1.37 लाख से अधिक गाड़ियां

यात्री वाहनों की बिक्री 3.38 लाख के पार

नई दिल्ली। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर मामूली 1.17 फीसदी बढ़कर 3,38,341 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 3,32,468 यात्री वाहन बिके थे। उच्च तुलनात्मक आधार प्रभाव और आम चुनावों के कारण गाड़ियों की मांग लगभग स्थिर रही है। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, ह्युंडई और टाटा मोटर्स की घरेलू थोक बिक्री में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने अप्रैल में 1,37,952 यात्री वाहन बेचे। यह आंकड़ा अप्रैल, 2023 के 1,37,320 इकाई से ज्यादा है। ह्युंडई मोटर इंडिया के यात्री वाहनों की बिक्री एक फीसदी बढ़कर 50,201 इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 47,883 इकाई पहुंच गई।

चुनाव की वजह से सुस्ती

मारुति के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, अभी देश में चुनाव चल रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है। चुनाव के दौरान बाजार थोड़ा सुस्त है। एक बार चुनाव खत्म हो जाएं तो मुझे लगता है कि हम एक अलग बाजार देखेंगे। ह्युंडई के सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, सामान्य मानसून का अनुमान विशेष रूप से ग्रामीण बिक्री के नजरिये से अच्छा है।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी बढ़ोतरी

-दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी अप्रैल के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली।
-टीवीएस मोटर कंपनी की घरेलू बिक्री 29 फीसदी बढ़कर 3,01,449 इकाई पहुंच गई।
-रॉयल एनफील्ड की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 75,038 इकाई पहुंच गई। अप्रैल, 2023 में यह आंकड़ा 68,881 इकाई था।
-वीसी कमर्शियल व्हीकल्स लि. के वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री 18.1 फीसदी की गिरावट के साथ 5,377 इकाई रह गई।

चचेरे भाई जमशेद को मिला भूमि बैंक

बंटवारे के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियां संभालेंगे आदि गोदरेज

मुंबई। देश के प्रमुख औद्योगिक घराने और 127 साल पुराने गोदरेज समूह का बंटवारा हो गया है। इस बंटवारे के तहत समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का स्वामित्व आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर को मिलेगा। वहीं समूह की गैर सूचीबद्ध कंपनियां और गोदरेज समूह का भूमि बैंक चचेरे भाई जमशेद और उनकी बहन स्मिता को मिलेगा। गोदरेज समूह साबुन से लेकर घरेलू सामान, रियल एस्टेट तक फैला हुआ है।

बंटवारे के तहत गोदरेज समूह अब दो हिस्सों में बंट गया है, जिसमें गोदरेज इंडस्ट्रीज की कमान आदि गोदरेज (82 वर्षीय) और उनके भाई नादिर गोदरेज (73 वर्षीय) संभालेंगे। गोदरेज इंडस्ट्रीज में समूह की पांच सूचीबद्ध कंपनियां आती हैं, जिनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, गोदरेज प्रोपर्टीज, गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफ साइंसेज शामिल हैं। इसके चेयरपर्सन नादिर गोदरेज होंगे और इसका नियंत्रण आदि गोदरेज और नादिर के परिवार के पास रहेगा। आदि गोदरेज के बेटे पिरोजशा गोदरेज (42 वर्षीय) गोदरेज इंडस्ट्रीज के कार्यकारी उपाध्यक्ष होंगे। पिरोजशा साल 2026 में नादिर गोदरेज की जगह लेंगे।

वहीं गोदरेज एंटरप्राइजेज की कमान जमशेद गोदरेज (75 वर्षीय) और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा (74 वर्षीय) संभालेंगी। गोदरेज एंटरप्राइजेज में एयरोस्पेस, एविएशन, सुरक्षा, फर्नीचर और आईटी सॉफ्टवेयर संबंधी कंपनियां शामिल हैं। जमशेद गोदरेज इसके चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर होंगे। वहीं उनकी बहन स्मिता की बेटी न्यारिका होल्कर (42 वर्षीय) एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर होंगी। जमशेद गोदरेज को गोदरेज एंटरप्राइजेज के साथ ही मुंबई में 3400 एकड़ का भूमि बैंक भी मिलेगा।

जमशेद गोदरेज को मिली मुंबई की 3400 एकड़ जमीन

बंटवारे के तहत दोनों पक्षों ने विपक्षी खेमे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। आदि और नादिर ने गोदरेज और बॉयस कंपनी के बोर्ड को छोड़ दिया है, वहीं जमशेद गोदरेज ने गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड और गोदरेज प्रोपर्टीज के बोर्ड को छोड़ दिया है। साथ ही दोनों पक्ष एक दूसरे की कंपनियों से अपने-अपने निवेश भी निकालेंगे।

एनपीसीआई ने यूपीआई जैसी भुगतान प्रणाली विकसित करने के लिए बैंक ऑफ नामीबिया के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। एनपीसीआई की विदेशी शाखा ने नामीबिया के लिए यूपीआई जैसी त्वरित भुगतान प्रणाली विकसित करने के वास्ते बैंक ऑफ नामीबिया (बीओएन) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत की यूपीआई प्रौद्योगिकी और अनुभवों का लाभ उठाकर साझेदारी का उद्देश्य नामीबिया को अपने वित्तीय परिवेश तंत्र को आधुनिक बनाने में मदद करना है। इसमें घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय भुगतान तंत्र के साथ पहुंच, सामर्थ्य व संपर्क और अंतर-संचालन में सुधार करना शामिल है।

बयान में कहा गया, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने नामीबिया के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) जैसी त्वरित भुगतान प्रणाली विकसित करने में सहायता के लिए बैंक ऑफ नामीबिया (बीओएन) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एनपीसीआई इंटरनेशनल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश शुक्ला ने कहा, ह्याइस प्रौद्योगिकी को सक्षम करने से देश को डिजिटल भुगतान परिदृश्य में संप्रभुता प्राप्त होगी। बेहतर भुगतान अंतर-संचालन व वंचित आबादी के लिए बेहतर वित्तीय पहुंच से लाभ होगा। बैंक ऑफ नामीबिया के गवर्नर जोहान्स गवाक्सैब ने कहा, हमारा मकसद वंचित आबादी के लिए पहुंच और सामर्थ्य को बढ़ाना। 2025 तक भुगतान साधनों की पूर्ण अंतर-संचालनीयता हासिल करना, वित्तीय क्षेत्र का आधुनिकीकरण करना और एक सुरक्षित व कुशल राष्ट्रीय भुगतान प्रणाली सुनिश्चित करना है।

खेल

पाकिस्तान ने आयरलैंड-इंग्लैंड सीरीज के लिए स्क्वॉड का किया ऐलान

टी-20 विश्वकप से पहले घातक गेंदबाज हसन अली की वापसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप से पहले आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली दो टी20क सीरीज के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। पाकिस्तान ने अपनी 18 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज हसन अली को वापस बुला लिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि विश्व कप टीम इन 18 खिलाड़ियों में से चुनी जाएगी और इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के बाद घोषित की जाएगी, जो 22 मई को होने वाला है। इसके लिए आईसीसी की समय सीमा 24 मई है।

कलाई के स्पिनर उसामा मीर और तेज गेंदबाज जमान खान को टीम में जगह नहीं मिली। हसन अली, जिन्होंने आखिरी बार सितंबर 2022 में पाकिस्तान के लिए टी20 मैच खेला था, पाकिस्तान सुपर लीग में ठोस प्रदर्शन के साथ वापसी की, जिसमें उन्होंने सीजन में शादाब खान और शाहीन अफरीदी के बराबर 14 विकेट लिए। मोहम्मद आमिर और वसीम ने अपना स्थान बरकरार रखा है। पीसीबी की विज्ञप्ति में पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति के हवाले से कहा गया कि, उपलब्ध उत्कृष्ट प्रतिभा के कारण इस टीम को तैयार करना एक चुनौतीपूर्ण काम था। गहन विचार-विमर्श और विभिन्न क्रिकेट पहलुओं पर विचार करने के बाद, हमने इन 18 खिलाड़ियों को अंतिम रूप दिया है।

टीम में बाबर आजम, फखर जमान, मोहम्मद रिजवान, सईम अयूब और उस्मान खान के साथ एक मजबूत टॉप ऑर्डर शामिल है; आजम खान, इफ्तिखार अहमद और मुहम्मद इरफान खान के साथ एक प्रभावी मध्य क्रम; इमाद वसीम में बहुमुखी ऑलराउंडर, शादाब खान और सलमान अली आगा; मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, नसीम शाह, हारिस रऊफ, हसन अली और शाहीन शाह अफरीदी के नेतृत्व में तेज गेंदबाजी; और अबरार अहमद की स्पिन क्षमता है।

टीम में फिर से फिट हो चुके हारिस रऊफ और आजम खान की भी वापसी हुई है जो हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेल पाए थे। टीम 4-6 मई तक लाहौर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के बाद 7 मई को डबलिन के लिए प्रस्थान करने वाली है।

आयरलैंड और इंग्लैंड सीरीज के लिए पाकिस्तान की टीम बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, हसन अली, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, मुहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

भारत के पूर्व चीफ सिलेक्टर ने बीसीसीआई को लिया आड़े हाथों, ऋतुराज को जगह नहीं मिलने पर भड़के

श्रीकांत ने टीम के चयन में पक्षपात का लगाया गंभीर आरोप

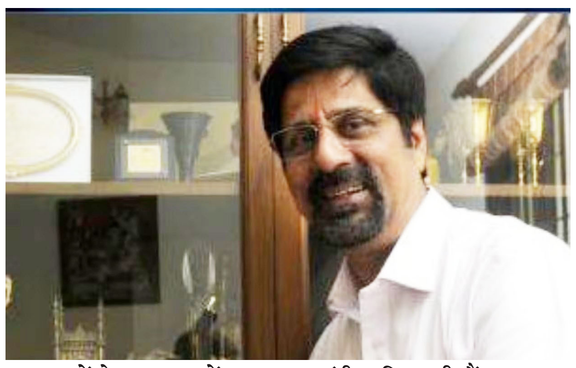

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया की स्क्वाड को लेकर पक्षपात का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की अनदेखी को लेकर बीसीसीआई पर निशाना साधा। दरअसल, आईपीएल 2024 में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद ऋतुराज को भारतीय टीम में जगह नहीं मिली और श्रीकांत बीसीसीआई द्वारा शुभमन गिल को शामिल करने से खुश नहीं है। श्रीकांत ने टीम प्रबंधन पर पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि गिल को तब भी मौके मिलते रहते हैं, जब वह किसी भी फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हों।

ऋतुराज वर्तमान में 509 रनों के साथ आईपीएल 2024 में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जबकि गिल 320 रनों के साथ 13वें स्थान पर हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा कि, शुभमन गिल पूरी तरह से आउट ऑफ फॉर्म हैं, लेकिन उन्हें टीम में क्यों चुना गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऋतुराज गायकवाड़ एक जगह के हकदार हैं। उन्होंने 17 पारियों में 500 से अधिक रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक भी बनाया है। उन्होंने आगे कहा कि, गिल चयनकर्ताओं के लिए पसंदीदा खिलाड़ी हैं। असफल होने पर भी उन्हें मौका मिलता है। टेस्ट, वनडे और टी20 में उन्हें जगह मिल जाती है। चयन में बहुत अधिक पक्षपात होता है। टीम का चयन पूरी तरह से पक्षपात पर आधारित है। टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारत की टीम में रिंकू सिंह एक और बड़ा बहिष्कार था- एक ऐसा निर्णय जिसकी प्रशंसकों और कई विशेषज्ञों द्वारा भारी आलोचना की गई थी।

उबेर कप क्वार्टर फाइनल में जापान से हारी भारतीय महिला टीम

चेंगदू (चीन)। अश्मिता चालिहा ने कड़ा संघर्ष किया लेकिन युवा और अनुभवहीन भारतीय महिला टीम को उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्वार्टर फाइनल में जापान ने 3-0 से हराया। पीवी सिंधु के बगैर खेल रही भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में कनाडा और सिंगापुर को हराकर नॉकआउट के लिये क्वालिफाई किया था, लेकिन आखिरी लीग मैच में उसे चीन ने 5-0 से मात दी थी। दुनिया की 53वें नंबर की खिलाड़ी चालिहा को 67 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी आया ओहोरी ने 21-10, 20-22, 21-15 से हराया। ईशारानी बरूआ को दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा ने 21-15, 21-12 से शिकस्त दी। वहीं राष्ट्रीय चैम्पियन प्रिया के और श्रुति मिश्रा को दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी नामी मत्सुयामा और चिहारू शिडा ने 21-8, 21-9 से हराया। भारत तीन बार 1957, 2014 और 2016 में उबर कप सेमीफाइनल में पहुंचा है। गत चैम्पियन भारतीय पुरूष टीम थॉमस कप क्वार्टर फाइनल में चीन से खेलेगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। वहीं, नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा- मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है। सविता ओलंपिक क्वालिफायर और उसके बाद प्रो लीग मैचों में भारत की कप्तान रही थीं।

अलग-अलग कारणों से लाखों हैं घर से बाहर, नहीं करते मतदान

मतदाताओं की अरुचि ने चुनाव आयोग से लेकर सियासी दलों की बढ़ाई चिंता

भोपाल। लोकतंत्र के पर्व के लिए देशभर में मतदान का दौर जारी है। हजारों प्रयास और सैंकड़ों अपीलों का भी असर लोगों की अरुचि के तौर पर सामने आ रहा है। अब तक हो चुके दो चरणों के मतदान ने इस अरुचि को उजागर भी किया है और चुनाव आयोग से लेकर सियासी दलों के माथे तक शिकन भी बढ़ाई है। लेकिन इस बीच की जा रही कारणों की तलाश में उन बातों को भुलाया जा रहा है, जिनकी वजह से मतदान तक पहुंचने के हालात गड़बड़ा रहे हैं।

उच्च शिक्षा के लिए बढ़ते युवाओं के कदम, जॉब के लिए घरों से दूर जाने की हिम्मत, मजदूरी के लिए गांवों से शहर के लिए होता पलायन और शादी ब्याह के रिश्तों में बंधकर अपना मूल एड्रेस बदलने के हालात। इन स्थितियों ने प्रदेश में ही हजारों की तादाद में लोग यहां से वहां हैं। सरकारी कामों की धक्का लगवाई आदतों ने हालात इतने विकट बना रखे हैं कि पता बदले लोग समय पर न तो अपना मूल एड्रेस परिवर्तित करवा पा रहे हैं और न जिम्मेदारी के साथ मतदाता सूची में संशोधित अधिकार सुनिश्चित करवा पा रहे हैं।

शादी के बाद मूल स्थान पर पहुंचना मुश्किल

शादियों के बाद यहां से वहां जाने वाली लड़कियों की संख्या भी कम नहीं है। लेकिन मतदान के लिए वापस अपने मूल एड्रेस पर पहुंच पाना न तो आसान है और न ही संभव। इसके चलते भी बड़ी संख्या में महिलाओं को मतदान से वंचित रहना पड़ता है। बुजुर्गों, दिव्यांगों, मीडियाकर्मियों से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक के लिए जहां हैं, वहां से मतदान की सुविधा चुनाव आयोग ने दी है। ऐसे ही प्रयास स्टूडेंट्स, जॉब करने वालों, नव विवाहित महिलाओं के लिए भी किए जा सकते हैं। प्रदेश में ही इस व्यवस्था से मतदान प्रतिशत की बढ़ी हुई स्थिति आंकलन की जा सकती है।

प्रदेश में हजारों संस्थान

जानकारी के मुताबिक प्रदेश में सरकारी मेडिकल कॉलेज की संख्या 27 से ज्यादा है। इनमें 4800 स्टूडेंट्स की क्षमता है। इसके विपरीत इससे कई गुना ज्यादा निजी कॉलेज भी प्रदेश में मौजूद हैं, जिनकी स्टूडेंट्स तादाद लाखों में है। इसके अलावा इंजीनियरिंग और दसों तरह के टेक्निकल एजुकेशन वाले संस्थान भी हैं। इधर अब तक गांवों से दूर उच्च शिक्षा के लिए भी हजारों स्टूडेंट्स को अपना घर छोड़ने की मजबूरी है।

एक नौकरी की खातिर

सरकारी नौकरी की खातिर अपने घरों से दूर रहने वाले लोगों के लिए तो प्रक्रिया मौजूद है। लेकिन निजी संस्थानों से जुड़े कर्मचारियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। मजदूरी से लेकर छोटे रोजगार के लिए घर छोड़े हुए लोग भी इतने जागरूक नहीं हो पाए हैं कि वे समय रहते अपना पता दुरुस्त करवा सकें।

आज राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ब्यावरा और जीरापुर में करेंगे सभा

दिग्विजय सिंह के लिए अशोक गहलोत और सचिन पायलट मांगेंगे वोट

भोपाल। कांग्रेस ने तीसरे चरण में शामिल प्रदेश की सीटों पर ताकत झोंक दी है। बुधवार को भिंड में राहुल गांधी के सभा करने के बाद गुरुवार को प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुरैना में सभा को संबोधित किया। उधर, राजगढ़ में दिग्विजय सिंह के लिए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत चार मई को चाचौड़ा और सारंगपुर में वोट मांगेंगे तो तीन मई को सचिन पायलट ब्यावरा और जीरापुर में सभा करेंगे।

अभी तक राजगढ़ में दिग्विजय सिंह चुनाव प्रचार अभियान स्थानीय नेताओं द्वारा ही संचालित किया जा रहा था। कोई भी केंद्रीय नेता अभी नहीं आया था। अब चुनाव प्रचार थमने में तीन दिन शेष रह गए हैं। इसे देखते हुए पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेताओं को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में भेजने का निर्णय लिया है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ब्यावरा और जीरापुर में शुक्रवार को सभा करेंगे। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को राजगढ़ पहुंचेंगे। वे चाचौड़ा और सारंगपुर में सभा के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे। वहीं, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डा.गोविंद सिंह को नरसिंहगढ़ में मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रचार थमने के पहले विजयपुर में होगी सभा: उधर, प्रदेश कांग्रेस ने मुरैना संसदीय क्षेत्र के विजयपुर में प्रचार थमने से पहले सभा करने का निर्णय लिया है। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पहुंचेंगे। उल्लेखनीय है कि विजयपुर से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

दो चरणों में कम मतदान को लेकर समीक्षा बैठक

वीडी बोले- कांग्रेस की उदासीनता के कारण कम हुई वोटिंग

भोपाल। भोपाल में भाजपा कार्यालय में चुनाव प्रबंधन समिति की गुरुवार सुबह 11 बजे बैठक हुई। करीब दो घंटे चली बैठक में पहले दो चरण के मतदान को लेकर समीक्षा की गई। साथ ही अगले तीसरे और चौथे चरण के मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि भाजपा के पक्ष में 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने लिए पन्ना प्रमुख मतदाताओं को घर से निकालने का काम किया जायेगा। मतदान के दिन तक पन्ना और अर्द्ध पन्ना प्रमुख के साथ सभी संगठनों के कार्यकर्ता इस काम में जुटेंगे। वोट बढ़ाने मंत्री-विधायक अपने-अपने क्षेत्र में मोर्चा संभालेंगे। शर्मा ने कहा कि दोनों चरणों की 12 सीटों पर हुए मतदान की समीक्षा में यह बात सामने आई है कि कांग्रेस के प्रभाव वाले मतदान केंद्रों में सबसे कम मतदान हुआ है। वहीं जहां से भाजपा को एकतरफा बढ़त मिल रही है। वहां मतदान का प्रतिशत बहुत अच्छा है.

आयोग भी हुआ मतदान बढ़ाने को लेकर सक्रिय

प्रदेश में तीसरे और चौथे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग भी सक्रिय हो गया है। इसको लेकर आयोग ने बुधवार को चले बूथ की ओर अभियान शुरू किया है। इसमें मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। बता दें तीसरे चरण में 7 मई को 9 लोकसभा सीटों भोपाल, बैतूल, विदिशा, सागर, राजगढ़, गुना, मुरैना, ग्वालियर और भिंड में मतदान होगा।

राहुल हाथ में संविधान लेकर झूठ बोलते हैं

वहीं कम मतदान को लेकर वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की उदासीनता के कारण कम वोटिंग हुई है। वहीं राहुल गांधी पर भी वीडी शर्मा ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संविधान हाथ में लेकर झूट बोलते हैं। शर्मा ने कहा कि अमित शाह के वीडियो को लेकर वो राहुल की चुनाव आयोग में शिकायत करेंगे। उन्होंने कहा राहुल की लोकप्रियता पाकिस्तान में ही होगी।

गीला-सूखा कचरा अलग मांगने पर निगम कर्मचारियों को पीटा

गौतमनगर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

भोपाल। गौतमनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को भाईयों ने नगर निगम कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुए तलवार से मारने की धमकी दी है। दरअसल निगमकर्मी घर -घर से कचरा एकत्रित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गीला -सूखा कचरा अलग -अलग करके देने के लिए कहा तो दोनों भाई भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। पुलिस ने पीड़ित कर्मचारियों की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक शाहजहांनाबाद निवासी 20 वर्षीय मोहम्मद साजिद ने बताया कि वह नगर निगम में दैनिक वेतनभोगी चालक है। वह नगर निगम वार्ड 15 का कचरा वाहन चलाता है। वह गुरुवार दोपहर एक बजे जेपी नगर गली नंबर छह में कचरा एकत्रित करने पहुंचा था। वाहन पर उनके साथ रेखा व करण मौजूद थे। दोनों कर्मचारी गीला और सूखा कचरा अलग -अलग करके ले रहे थे।इसी दौरान तारीक और उसका छोटा भाई कचरा देने के लिए आए तो कर्मचारियों ने सूखा और गीला कचरा अलग - अलग देने के लिए कहा।

तलवार से काटने की दी धमकी

मारपीट की घटना देख पास ही मौजूद शरीफ अली, मेहफूज अली और शिवा ने बीच-बचाव किया। तब दोनों भाई तलवार से काट देने की धमकी देने लगे। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। भोपाल में करीब 450 कचरा एकत्रित करने वाले वाहन हैं। मध्यप्रदेश शासकीय वाहन चालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ ने आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर शुक्रवार से गाड़ियां नहीं चलाने की चेतावनी दी है। यदि ऐसा होता है तो शुक्रवार को डोर-टू-डोर कचरा नहीं उठ सकेगा।

कर्मचारियों पर अन्याय बर्दाश्त नहीं

नगर निगम के कर्मचारियों के साथ लगातार हो रहे अन्याय को अब बर्दास्त नहीं करेंगे। इस मामले के साथ- साथ पिछले दिनों में भी कर्मचरियों के साथ मारपीट असमाजिक तत्वों द्वारा की गई थी।कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती रही है, जिसे लेकर अब संगठन सख्त हो गए है, मानव अधिकार आयोग, प्रमुख सचिव, एव अन्य फोरम में जाकर शिकायत करेंगे। अशोक वर्मा, प्रदेशाध्यक्ष नगर निगम एवं नगर पालिका

लू का बढ़ा कहर, एम्स में तीन दिन में आए 1800 मरीज

भोपाल। गर्मी का सितम लोगों को लू की चपेट में ले रहा है। शहर के सरकारी अस्पतालों में हर दिन 400 से अधिक मरीज अस्पताल में पहुंच रहे हैं। मरीजों में डिहाइड्रेशन, बुखार, थकान, कमजोरी, उल्टी और दस्त जैसी शिकायतें शामिल हैं। अगर सिर्फ एम्स की बात की जाए तो यहां पिछले तीन दिनों में 1800 से ज्यादा मरीज अपना इलाज करवाने के लिए पहुंच रहे हैं। बढ़ती गर्मी को लेकर एम्स भोपाल ने एडवाइजरी भी जारी की है।

अगर पिछले तीन दिनों यानी 29, 30 अप्रैल और एक मई को एम्स के केवल मेडिसिन विभाग की ओपीडी में मरीजों की संख्या क्रमशः 634, 572 और 620 रही। रोगियों की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए एम्स भोपाल में मेडिसिन विभाग के चिकित्सक लगातार मरीजों को देख रहे हैं। अस्पताल में पहुंचते ही मरीज को किसी प्रकार की समस्या ना हो, इसके लिए अस्पताल कर्मी उनके पंजीकरण से लेकर संबंधित डाक्टर तक ले जाने में उनकी सहायता कर रहे हैं।

इनका कहना है

बढ़ते तापमान को देखते हुए लोगों को विशेष सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। छोटी-छोटी बातों को अपना कर खुद को स्वस्थ रखा जा सकता है। पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बढ़ते तापमान के कारण डिहाइड्रेशन, बुखार, थकान, कमजोरी, उल्टी और दस्त जैसी शिकायत के साथ रोगियों की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी नजर आई है।
प्रो. डा. अजय सिंह, कार्यपालक निदेशक, एम्स भोपाल

इन बातों का रखें ध्यान

मेडिसिन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डा. रजनीश जोशी ने बताया कि गर्मी के इस मौसम में कुछ खास बातों को ध्यान में रखने की जरूरत है। धूप में बाहर निकलते समय शरीर को ढक कर रखें। ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थ का सेवन करते रहें। हल्का व्यायाम करें और यदि आवश्यक न हो तो धूप में न निकलें। ऐसे व्यक्ति जिन्हें डायबिटीज या ब्लड प्रेशर आदि की समस्या है उनको खास ध्यान रखना होगा।

बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस समेत 10 ट्रेनें निरस्त

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर मंडल के कटनी-बीना रेलखण्ड के असलाना स्टेशन पर तीसरी रेल लाइन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किये जाने के कारण 10 गाड़ियों को निरस्त किया गया है। जिन ट्रेनों को निरस्त किया गया है, उनमें ट्रेन 01885 बीना-दमोह पैसेजर 10 मई से 20 मई तक एवं ट्रेन 01886 दमोह-बीना पैसेजर 11 मई से 21 मई तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा ट्रेन 06603 बीना-कटनी मुडवारा

मेमू 10 मई से 20 मई तक एवं ट्रेन 06604 कटनी मुडवारा-बीना मेमू 10 मई से 20 मई तक निरस्त रहेगी। इसी तरह ट्रेन 11272 भोपाल-इटारसी विंध्याचल एक्सप्रेस 10 मई से 20 मई तक एवं गाड़ी संख्या 11271 इटारसी-भोपाल विंध्याचल एक्सप्रेस 10 मई से 20 मई तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा ट्रेन 22161 भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस 10 मई से 20 मई तक एवं गाड़ी संख्या 22162 दमोह-भोपाल राज्यरानी एक्सप्रेस 11 मई से 21 मई तक निरस्त रहेगी। ट्रेन18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 09 मई से 19 मई तक एवं गाड़ी संख्या 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस 11 मई से 21 मई तक निरस्त रहेगी।

बढ़ा भरोसा | आसपास के राज्यों के अलावा दूर दराज के इलाकों से भी आ रहे मरीज

एम्स की ओपीडी में दो साल में दोगुना हुए कैंसर मरीज

भोपाल। भोपाल स्थित एम्स की ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। खास बात यह है कि यहां कैंसर मरीजों की संख्या में काफी ज्यादा इजाफा हुआ है। पिछले दो साल में एम्स के कैंसर विभाग की ओपीडी में दोगुने मरीज पहुंचने लगे हैं।

एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. अजय सिंह का कहना है कि एम्स भोपाल पर लोगों का भरोसा बढ़ता ही जा रहा है। यहां केवल मध्यप्रदेश के शहरों से ही नहीं, बल्कि आसपास के राज्यों के अलावा दूर दराज के इलाकों यहां तक कि अंडमान से भी लोग इलाज के लिए एम्स भोपाल का रुख कर रहे हैं। डॉ. अजय सिंह ने कहा कि अगर हम केवल कैंसर विभाग के सर्जिकल आकोलॉजी की बात करें, तो पिछले दो वर्षों में ओपीडी में मरीजों की संख्या 7500 से बढ़कर 15000 हो गई है। वहीं, वार्ड में भर्ती के मामले ढाई गुना बढ़कर साढ़े तीन हजार हो गए हैं। जबकि इसी दौरान सर्जरी के केस भी दोगुने होकर 1000 से अधिक हो गए हैं।

बढ़ती उम्र के साथ होने वाली एक बीमारी है रेक्टल कैंसर: आकोलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. निलेश श्रीवास्तव ने बताया कि रेक्टल कैंसर आम तौर पर मध्यम और बढ़ती उम्र के साथ होने वाली एक बीमारी है। बुजुर्गों में इस बीमारी के इलाज में गंभीर खतरा हो सकता है। समय पर समुचित इलाज करवाने से इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है। साथ ही बढ़ती उम्र सर्जरी में बाधा नहीं बन सकती। इसका इलाज करते समय विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है।

अंडमान से आया 90 वर्षीय कैंसर मरीज

डॉ. अजय सिंह ने बताया कि हाल ही में अंडमान से 90 वर्षीय एक मरीज को लेकर उनका परिवार यहां पहुंचा। मरीज को पिछले छह महीने से कब्ज और अनियमित मल त्याग की समस्या थी। अंडमान में समुचित इलाज न मिलने पर उन्होंने चेन्नई के अस्पतालों में चक्कर काटे। तब पता चला कि बड़ी आंत के आखिरी हिस्से में कैंसर हो गया है। किंतु उनकी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए ऑपरेशन में गंभीर खतरा बताया गया। परिवार उन्हें लेकर एम्स भोपाल के ट्रॉमा और इमरजेंसी विभाग में पहुंचा। जहां विभाग के प्रमुख डॉ. यूनुस ने उन्हें सर्जिकल आकोलॉजी में जल्दी इलाज करवाने की सलाह दी। सर्जिकल आकोलॉजी के डॉक्टर नीलेश श्रीवास्तव ने मरीज को ओपीडी में देखा और सभी जांच करवाने के बाद ऑपरेशन करने का फैसला किया। उन्होंने अपनी टीम के साथ लो एंटीरियर रिसेक्शन जो मलाशय के कैंसर के लिए की जाने वाली एक प्रक्रिया है, के द्वारा मरीज की सर्जरी की। बेहतर रिकवरी होने के बाद केवल 10 दिनों में ही मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

टाईल्स ही टाईल्स
सबसे सस्ता...सबसे अच्छा
2x2 वीट्रीफाईड, डीजिटल, 3D
क्वालिटी की टाईल्स मात्र 270/- BOX
वह भी 1st ग्रेड की (25 BOX तक के स्टोक में उपलब्ध)
16 फीट प्रति BOX
इन्दौर में 8 किमी तक भाड़ा फ्री रहेगा
10000/- की माल खरीदी के समय पेपर की कटिंग दिखाने पर 1000/- मूल्य का
गिफ्ट...एकदम फ्री पाएं..
उक्त स्कीम 10 मई से 30 मई तक ही मान्य रहेगी
मिक्स टाईल्स काफी कम रेट में उपलब्ध है
12x18 6 रु. फीट | 16x16 9 रु. फीट | 2x2 10 रु.फीट | 2x4 12 रु.फीट
कमलेश कुमार शाह टाइल्स
24/1 एवं 24/2 स्नेहलतागंज पत्थर गोदाम, इन्दौर
मो.98264-62970
13 मई को मतदान अवश्य करें

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.ली. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड़, इंदौर (मध्य प्रदेश)पिन- 452011 से प्रकाशित। संपादक - मिलिंद बायवार*। आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117 मो. 07313144237, 83570-89000, Email: mradubhashi.news@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)

ब्रीफ न्यूज़

इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर बलवाड़ा के गवली मोहल्ले में हुआ सड़क हादसा

बलवाड़ा । इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर गुरुवार अलसुबह बलवाड़ा के गवली मोहल्ले में सड़क हादसा हो गया,जिसमें गवली मोहल्ले में रहने वाली स्थानीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार बलवाड़ा थाने से एक किलोमीटर दूर गवली मोहल्ले में रहने वाली महिला अनिता पति राजेन्द्र यादव (45) को हरदोल बाबा मंदिर के पास में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। महिला रोज की तरह सुबह उठाकर पशुओं का चारा पानी ओर गोबर फेंकने अपने बाड़े की ओर जा रही थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बड़वाह के शासकीय अस्पताल पहुंचाया है।जहां शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया ।पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संभागीय उपायुक्त का झाबुआ ज़िले का दो दिवसीय दौरा

झाबुआ । जनजातीय कार्य विभाग इंदौर संभाग के संभागीय उपायुक्त श्री ब्रजेश चंद्र पांडेय द्वारा झाबुआ ज़िले का दो दिवसीय दौरा किया गया। ज़िले में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण निर्माण एजेंसी के अधिकारियों के साथ किया तथा उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए, तथा सहायक आयुक्त कार्यालय का निरीक्षण कर सभी कर्मचारियों के स्वत्वों के भुगतान समय सीमा में करने के निर्देश दिए। दूसरे दिन छात्रवृत्ति में कम प्रगति वाले सभी संकुल प्राचार्यों तथा विकास खंड शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक लेकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया तथा मई माह में यह कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कम परीक्षाफल वाली संस्थाओं के प्राचार्यों की पृथक से बैठक आयोजित की गई तथा उनकी समीक्षा कर इस वर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने हेतु निर्देश दिए गए। अंत में विशिष्ट संस्थाओं के प्राचार्यों तथा अधीक्षकों की समीक्षा बैठक आयोजित कर उन्हें नए सत्र से शासन के निदेर्शानुसार संचालित करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए।

13 को मतदान का निशान दिखाओ, कटिंग पर 50 प्रतिशत छूट पाओ

शाजापुर। अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए कलेक्टर सहित प्रशासनिक अधिकारी नित नए आयोजन कर रहे हैं ताकि मतदाता जागरूक हो। जिनके प्रयासों से प्रेरित होकर एक हेयर सेलून संचालक ने भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए 50 प्रतिशत डिस्काउंट देने की पहल की है। यह संचालक हैं जीवन वर्मा जो नई सड़क पर अपना सैलून संचालित करते हैं। जीवन वर्मा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन में अब तक हुए दो चरणों में मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा। जो उन्हें कतई अच्छा नहीं लगा। इसी के चलते उनके मन में विचार आया कि क्यों न वे भी जिला प्रशासन का सहयोग कर मतदाताओं को जागरूक करने की पहल करें। उन्होंने इसकी शुरूआत की और उन्होंने अपनी दुकान पर एक पम्प्लेट चस्पा कर दिया जिसमें लिखा गया है कि 13 मई सोमवार को मतदान करके निशान दिखाओ और कटिंग पर 50 प्रतिशत डिस्काउंट पाओ। हर ग्राहक को करते हैं जागरूक हेयर सैलून संचालक श्री वर्मा ने बताया कि एक अच्छी सरकार बने और हमारा देश तरक्की करे। इसके लिए हर व्यक्ति को अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। जिसके चलते वे अपने यहां आने वाले हर ग्राहक से कहते हैं कि गर्मी से न डरें। आप मतदान केंद्र जाईए। वहां आपको पानी, छांव सहित अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी। आप अपने मताधिकार का का उपयोग करें। श्री वर्मा की यह पहल पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

नर्मदा प्रोजेक्ट भाजपा सरकार की देन, हर तरफ होगी खुशहाली

शाजापुर। पग-पग रोटी, डग-डग नीर की कहावत को चरितार्थ करते हुए विधायक अरूण भीमावद नर्मदा प्रोजेक्ट को जिले में ले आए हैं। जिससे अब न कोई तालाब सूखा रहेगा तो खेतों की सिंचाई की भी चिंता को दूर कर दिया है। गुरूवार को विधायक मक्सी पहुंचे और नर्मदा पाईप लाईन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि मालवा क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा सरकार सदैव तत्पर रही है। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने मालवा क्षेत्र में पानी की समस्या को देखते हुए नर्मदा प्रोजेक्टर तैयार किया था और उसकी स्वीकृति के लिए प्रयास किए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस प्रोजेक्ट को गति दी। जिसके चलते आज हमारे मालवा में नर्मदा का आगमन हुआ है। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट की सहायता से 3 लाख बीघा क्षेत्र में सिंचाई होगी। वहीं 6 माह के अंदर-अंदर नर्मदा प्रोजेक्ट के माध्यम से पेयजल भी उपलब्ध होगा। जिससे यहां कभी भी जलसंकट का सामना लोगों को नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर उनके साथ इस दौरान उनके साथ बीजेपी जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष किरण सिंह ठाकुर, मक्सी नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मोहन सिंह पटेल, विधायक प्रतिनिधि डॉ रवि पांडे, मंडल अध्यक्ष गोपाल पटेल, मंडल महामंत्री मोड़ सिंह लोधी समेत बीजेपी समर्थक पार्षद मौजूद थे।

ऑनलाइन सट्टे पर बड़ी कार्रवाई : पुलिस की आखों में धूल झोंककर सागौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत चला रहे थे सट्टा मकान में दबिश देकर पकड़े 15 सटोरियों से 31 मोबाइल के साथ मिला लाखों का हिसाब

मोबाइल से लगा रहे थे हार-जीत के दांव, फोन पे पर हो रहा था पैसों का लेनदेन

धार। धार जिले के सागौर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्हार भट्टे में पुलिस को सूचना मिलने पर आईपीएल में ऑनलाइन सट्टा कर रहे अड्डे पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई में करीब 15 लोग पकड़ाए हैं। जिनके पास से 15 से अधिक मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और 14 हजार रुपए नगद जब्त किए गए हैं। जानकारी के अनुसार सागौर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुम्हार भट्टे पर स्थित एक मकान के दो कमरों में आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा था। इसकी सूचना इंदौर ग्रामीण आईजी अनुराग को मिली। सूचना मिलते थाने की टीम द्वारा मौके पर छापामार कार्रवाई की।

रात तक चली कार्रवाई: वही सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुँची ओर आरोपियों को थाने लाई वही देर रात तक पुलिस की करवाई जारी रही। मुखबिर की सूचना के बाद थाना प्रभारी ने टीम बनाई और करवाई के लिए मौके पर जाकर

सटोरियों को दबोचा गया टीआई ने बताया कि करीब 15 लोगों को पकड़ा है। सभी आरोपित अन्य जिलों व प्रदेश के साथ इंदौर व महूँ के आसपास क्षेत्र के हैं। ग्रामीण आईजी अनुराग ने बताया कि आईपीएल पर ऑनलाइन सट्टा करने की सूचना मिली थी सूचना पर डीआईजी निमिष अग्रवाल द्वारा टीम भेज कर छापा मारा गया मौके से मोबाइल फोन और नगद रुपए भी पकड़े गए हैं।

मोबाइल पर लगाते दांव, रजिस्टर में करते थे एंट्री: सागौर थाने पे पकड़ाए सटोरियों के हिसाब की रखते थे इनसब का हिसाब किताब रजिस्टर में लिख लिया जा रहा था इस बुकिंग का हिसाब भी रजिस्टर को मेंटेन किया गया। सटोरियों के इंदौर महूं के ख़्वालो से तार जुड़े हुए है। जो पीथमपुर में बड़े नेताओ का भी हाथ इस कारोबार में ह्यो सकता है अगर पुलिस शक्ति से पूछताछ करे तो कही लोगो के नाम सामने आ सकते है। वही सागौर थाने पर अप.क्र.160/2024 एवं 161/2024 धारा 4 (क), 3/4 सट्टा एक्ट का पंजीबद्ध किया गया।

अन्य प्रदेश व जिलों के सटोरिए थे: पीथमपुर और सागौर कुटी बॉर्डर पर पुलिस ने एक मकान पर छापा मारकर सट्टे का कंट्रोल रूम पकड़ा। वही आरोपियों से पूछताछ की जार रही है। पुलिस ने दो टीमो द्वारा अलग अलग कार्यवाही कर आरोपियों के पास से कुल 31 मोबाईल, 29 कैल्क्युलेटर व सट्टा पर्ची बंडल कुल 45, लेखा जोखा कागजात कुल 17 पेज एंव एक रजिस्टर व 40 लीड पेन, नगदी 16093 रुपये, सट्टा उपकरण जप्त किया गया। प्रमुख सटोरिया महू का है। यह हर बार जगह बदल बदल कर आवश्यातों का कारोबार करवाता है वही यह अन्य प्रदेशों व जिलों से भी सैटरडे को अपने पास बुलाता है सट्टे का खेल खुलवाता है। इस करवाई में कई अन्य जिलों के साथ दूसरे राज्य के सटोरिए भी पकड़े गए। वही सागौर के अमित प्रजापत के घर पर यह कार्य चल रहा था। आगे की कार्रवाई की जाँच की जा रही है और आरोपी बढ़ने की उम्मीद है।

बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए भाजपा का समर्थन करें : ज्ञानेश्वर पाटिल

बडवाह। चुनाव प्रचार में गर्माहट आने लगी है,प्रत्याशी सुबह से ही जनसंपर्क के लिए निकल पड़ते हैं जैसे-जैसे वोटिंग की तारीख नजदीक आ रही है,वैसे ही चुनाव प्रचार में तेजी आने लगी है। बुधवार को भाजपा,कांग्रेस सहित अन्य पार्टी के प्रत्याशियों ने विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कियो खंडवा लोकसभा के भाजपा सांसद प्रत्यासी ज्ञानेश्वर पाटिल ने बुधवार को बड़वाह क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रो मे तूफानी जनसंपर्क कियो सुबह ओखलेश्वर धाम मे हनुमान जी के दर्शन के बाद जनसंपर्क शुरू किया। यहां पर सांसद प्रत्यासी ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा की देश आज सुरक्षित हाथो में है,मोदी जी के जनहित व कल्याण कारी योजनाओ का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुचा है,आज दुनिया भर को सम्मान की नजरो में देखता है,तीसरी बार मोदी जी पीएम बनेगे तो कई योजनाए है जो भारत का तस्वीर बदल देगो उन्होनो कहा यदि आपको सोनिया गांधी के बच्चे का भविष्य बनाना हो तो कांग्रेस को वोट दो,और स्वयं के बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बीजेपी का समर्थन करें कार्यकर्ता बूथ स्तर पर जुट गए,क्योंकि अब समय बहुत कम बचा है। आपको घर घर पहुंच कर शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे मे विस्तार से बताना है,ऐसा कोई घर नहीं होगा जहा पर किसी भी रूप मे शासन की योजना का लाभ नहीं मिलता होगो सांसद प्रत्यासी ने मंच से घोषणा कि जिस बूथ पर 80 प्रतिशत से अधिक मतदान होगा,उस बूथ के कार्यकर्ता को अयोध्या राम लला दर्शन के लिए ले जाया जाएगा,और जो बूथ पर कांग्रेस को एक भी वोट नहीं मिलेगा,उन्हें प्रधानमंत्री मोदी जी से मिलाया जाएगो इस दौरान विधायक सचिन बिरला,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण काग,भाजपा जिला महामंत्री महिम ठाकुर,महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य धनलक्ष्मी शर्मा,नगर पालिका अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने भी संबोधित करके केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का बखान कियो उन्होंनो कहा की लोकसभा का यह चुनाव देश की दशा एवं दिशा को बदलने वाला चुनाव हे,भाजपा के उत्साह और जनता के रुझान को देखते हुए विपक्षी पार्टिया धराशाई हो गई हैपूर्व विधायक हितेंद्र सिँह सोलंकी,जनभागीदारी अध्यक्ष जितेन्द्र सुराणा,भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष गणेश पटेल, महिला मोर्चा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष सुरभि वर्मा,महेश गुर्जर,सुरेन्द्र पंड्या, अशोक तिवारी,महेंद्र अमई,रवि,निखलेश खंडेलवाल,निशांत सोनी,मिक्की चौहान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मोजूद थे यहा हुई सभाए भाजपा के प्रत्यासी ज्ञानेश्वर पाटिल ने विधायक सचिन बिरला,पूर्व विधायक हितेंद्र सिंह सोलंकी के साथ ग्रामीण क्षेत्रो के सात पंचायतो में जनसंपर्क एवं आम सभाए लीं ग्राम ओख्लेश्वर,ग्राम सोरठी बारूल,ग्राम लखनपूरा,ग्राम सिरलाय,ग्राम बेलसर एवं दशहरा मैदान पंचायत में जनसंपर्क एवं आमसभा को संबोधित कियो यहा पर आसपास की पाच से सात पंचायतो के कार्यकर्ताओ को आमंत्रित किया गया थो शाम 9 बजे दशहरा मैदान पर ग्राम पंचायत के सरपंच चेतना राजेश पाटीदार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सभी जगह बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मोजूद थे

वार्ड क्रमांक 11 में मतदाता जागरूकता कलश यात्रा निकाली

मतदाता जागरूकता अभियान: लोकतंत्र में मतदान का अहम स्थान : शर्मा

सारंगपुर। 18 वर्ष की उम्र होते ही मताधिकार प्राप्त हो जाता है, लेकिन कई मतदाता वोट डालने के लिए घर से ही नहीं निकलते। मताधिकार का प्रयोग करके हम देश और प्रदेश के लिए अच्छे प्रतिनिधि का चुनाव कर सकते हैं। ऐसे में अपने मताधिकार का उपयोग जरूर करें। उक्त उद्गार मतदाता जागरूकता अभियान के तहत आम जनों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 11 में निकाली गई मतदाता जागरूकता कलश यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य रूप से उपस्थित दिलीप शर्मा ने व्यक्त किए। श्रीशर्मा ने कहा कि मतदान प्रत्येक भारतीय नागरिक का अधिकार है, जिससे वह लोकतान्त्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बच्चे अपने अभिभावकों के साथ ही आस पास के लोगों को भी मतदान के महत्व के बारे में बताएं, जिससे हर मुहल्ला एवं वार्ड में मतदान के प्रति सकारात्मक संदेश जाए। इस मौके पर गिरीश गोखले ने कहा कि लोकतन्त्र में मतदान का अहम स्थान होता है, जिसके माध्यम से जनता देश के विकास की प्रक्रिया को आगे बढाने के लिए अपने प्रतिनिधि का चुनाव करती है। मतदान के महत्व को समझें तथा आगामी चुनाव में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कराएं, जिससे चुनाव आयोग की मंशा के अनुरूप मतदान प्रतिशत में बढोत्तरी सम्भव हो सके। कलश यात्रा अभियान में दिलीप शर्मा, गिरीश गोखले के अलावा सतीश, शोभा टेटवाल एवं वार्ड क्रमांक 11 आंगनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्थानीय मुद्दों से कोसों दूर दोनों पार्टियों के प्रत्याशी, मैदान में राज्य और केंद्र की बातें, जमीनी स्तर के विकास के दावे खोखले

धार । जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं वैसे वैसे दोनों पार्टियों के प्रत्याशी जनसंपर्क में दिन रात एक कर रहे हैं। एक एक दिन में 12 घंटे से अधिक प्रचार में बिता रहे हैं कहीं बैठकों को के दौर से तो कहीं घर-घर जाकर तो कहीं आम सभा कर लोगों को अपने पक्ष में वोट की अपील कर रहे हैं। कहीं भाजपा राज्य व केंद्र की योजना तो कांग्रेस महंगाई पलायन व बेरोजगारी मुद्दे पर जनता के बीच जा रही है वहीं धार की राजनीति की बात करें तो कही दशक पुरानी है। कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म स्थली धार लोकसभा सीट, पहले संघ.. फिर बीजेपी ने जमाया कब्जा धार मध्य प्रदेश की एक महत्वपूर्ण लोकसभा सीट है जो जनसंघ के संस्थापक सदस्य, कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म और शिक्षास्थली रहा है. इस सीट पर आदिवासी मतदाताओं की संख्या अधिक होने के कारण चुनावों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है. धार जिला झाबुआ अलीराजपुर बड़वानी रतलाम इंदौर खरगोन की सीमाओं से लगा हुआ जिला है। मध्य प्रदेश की धार लोकसभा सीट 1962 में गठन के बाद से कांग्रेस और भाजपा के बीच सत्ता संघर्ष का केंद्र रही है. पहले तीन चुनावों में, भारतीय जनसंघ ने धार पर अपना दबदबा बनाया.1962 से लगाकर 1977 तक जनसंघ की जीते हुई ओर इनका कब्जा रहा वही 1980 से 1991 तक, कांग्रेस ने लगातार चार चुनाव जीते. 1996 में भाजपा ने छतरसिंह ने वापसी की, लेकिन 1998 और 1999 में कांग्रेस ने फिर से जीत हासिल की. 2004 में, भाजपा के छतरसिंह ने धार पर अपना कब्जा जमा लिया, लेकिन 2009 में कांग्रेस से राजूखेड़ी ने फिर भाजपा की यह सीट छीन ओर जीत हासिल की. 2014 सावित्री ठाकुर ने उमंग सिंघार को पटकनी दी और 2019 में, भाजपा ने लगातार दो बार जीत हासिल करते हुए अपनी पकड़ मजबूत कर ली. इस सीट पर आदिवासी मतदाताओं भील भिलाला समाज अहम भूमिका निभाते आये है। बीते दस वर्ष से भाजपा के कब्जे वाली सीट को जीतने के लिए कांग्रेस ने युवा चेहरे को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस की राह भी धार सीट पर बिल्कुल आसान नहीं है। इन सबके बीच दोनों ही प्रत्याशी अपनी-अपनी क्षमताओं के अनुसार लोगों के बीच पहुंचकर अपने पक्ष में मतदान के लिए संपर्क कर रहे है।

जिले में बेरोजगारी व पलायन बड़ा मुदा है: वैसे तो धार आदिवासी बाहुल्य जिला है मगर यहां सबसे बड़ा मुद्दा कोई है तो वह पलायन है। आजादी के बाद से अब तक कोई भी नेता प्रशासन व सरकार जिले का पलायन नहीं रोक पाई है। यह मुद्दा हर बार बनता है मगर चुनाव खत्म होते पलायन का मुद्दा नेताओ के भाषण की तरह गुल हो जाता है। जिले में एक चौथाई भाग आदिवासी इलाके में बसावट है मगर उसके बाद कोई बड़ा उघोग आदिवासी इलाकों में नही पहुँच पाया है। जिसके कारण यहां के लोग गुजरात में पलायन कर अपना गुजारा करते हैं। बारिश के चार महीने यहा रहते है बाकी अन्य जगह मजदूरी करते है। यहा के युवा वर्ग को एशिया की सबसे बड़ी इंडस्ट्री एरिया पीथमपुर होने के बाद भी यहां के लोगों को रोजगार नहीं मिलना भी चुनावी मुद्दा रहता है। वहीं जिलेभर में बड़े रकबे के किसान है मगर यहा अधिकांश विधानसभा क्षेत्रो में नर्मदा का पानी नहीं होने से लोगों की खेती असिंचित रहती है जिससे वह खेती को लाभ का धंधा नहीं बना पाते हैं। जिससे यहां का किसान अपने आप में पिछड़ा महसूस करता है।

भिलाला समाज के वोटरों का रहा दबदबा: धार लोक सभा सीट में सबसे बड़ा समुदाय अगर है तो वह भिलाला समाज है । जिले में इस लोकसभा सीट यह समाज हार जीत तय करते है। इसबार कांग्रेस व भाजपा ने अपने प्रत्याशी भी भिलाला समाज से ही मैदान में उतारे है। इसके भील समाज की सख्या ज्यादा है। इस लोकसभा में आदिवासी समाज पटेलिया समाज के वोटरों की सख्या भी अपना अलग दम दिखती है। इसके बाद की पंक्ति में राजपूत समाज, ब्राह्मण समाज, यादव समाज , पाटीदार समाज के साथ ओबीसी व अन्य अगड़ी पिछड़ी समाज जिले में अपना विधानसभा व क्षेत्रो के हिसाब से ताकत रखती। जिले में हर अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग समाजो का प्रभाव हमेशा रहा है।

राज्य स्तर से मिली मान्यता नई ऊर्जा का संचार करती है : जिला निर्वाचन अधिकारी

झाबुआ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्य प्रदेश श्री अनुपम राजन ने आज झाबुआ ज़िले की स्वीप गतिविधियों के कैलेंडर का विमोचन किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना ने ज़िले में मतदाता जागरूकता के संबंध में चलाई जा रही की गतिविधियों की जानकारी से अवगत कराया गया और बताया कि जिले में नवाचारों के माध्यम से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर संभागायुक्त श्री दीपक सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना के नेतृत्व में और मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जिला स्वीप नोडल) श्री जितेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में जिले मे संपादित समस्त स्पीच गतिविधियों के उत्कृष्ट फोटोग्राफ्स को इस कैलेण्डर मे संजोया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना ने बताया कि जिले में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है, जिसे कैलेण्डर के रुप में संजोकर मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में हुए प्रयासों को प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। प्रत्येक ग्राम - फलिये में हुई इन गतिविधियों को जब राज्य स्तर से मान्यता मिलती है तो नई ऊर्जा का संचार होता है जो इस प्रकार के विभिन्न प्रयासों में रचनात्मकता और कलात्मकता से परिपूर्ण नए-नए विचारों को प्रोत्साहित करते है।

बेवजह मंदसौर से शामगढ़ विवाद करने पहुंचे पीडब्ल्यूडी ईई

शामगढ़। आज नगर में एक बड़ा विवाद सामने आया। ढक्ष्ं एए जिला अधिकारी आदित्य सोनी शामगढ़ पहुंचे और रेस्ट हाउस में एसडीओ गरोठ कमल जैन के साथ शामगढ़ बस स्टैंड पर निमार्णाधीन शॉपिंग कंपलेक्स के निर्माण को रुकवाने की कोशिश करते हुए कहा कि यह पीडब्ल्यूडी का रास्ता है और इस दीवाल को तोड़ा जाए। इस दौरान मुख्य नपा अधिकारी सुरेश यादव भी मौके पर पहुंचे उन्होंने कहा कि जो भी निर्माण हो रहा है यह नियमपूर्वक हो रहा है। इस तरह दीवार तोड़े जाने की बात सही नहीं है। इधर अधिकारी आदित्य सोनी ने अभद्रता करते हुए सीएमओ को भी अपशब्द कहे। इस दौरान नप अध्यक्ष के बेटे अंकित यादव भी पहुंचे तो सीधे मुंह बात करने की बजाय आदित्य सोनी

ने उनसे भी अभद्रता शुरू करते हुए कहा कि तुम्हारी रंगदारी नहीं चलेगी। यह दौरान नपा कर्मचारी आक्रोशित हो गए और बात ही बातों में विवाद इतना बड़ा रूप ले लिया और दोनों पक्षों में झूमझटकी की हो गई। देखने में यह भी आया कि आदित्य सोनी अपनी जुबान पर काबू नहीं रख पाए और सभी कर्मचारियों को बोला कि एक-एक करके आ जाओ जिस भी आना है। जानकारी सामने आई की एक नपा सफाई कर्मचारी को जातिगत शब्दों से अपमानित करने एवं मारपीट को लेकर आवेदन शामगढ़ थाने में आदित्य सोनी के खिलाफ दिया गया है। नप अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र कुमार यादव की पहुंचे और उन्होंने आदित्य सोनी के साथ ही कमल जैन को भी खरी खोटी सुनाई। इधर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि के साथ भी आदित्य सोनी का रवैया जब ना सुधरा तो नगर परिषद में तालाबंदी की बात सामने आई। माहौल खराब होने की सूचना के बाद क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग रेस्ट हाउस पहुंचे और आदित्य सोनी एवं कमल जैन दोनों को फटकार लगाई और कहा कि आपका रवैया अधिकारी जैसा बिल्कुल नहीं है। आपकी दादागिरी की चचाएं मैं बाहर सुन चुका हूं। कोई ऐसा कागज ही नहीं है जिससे ये सिद्ध हो सके कि यह जमीन आपकी है और पीडब्ल्यूडी इसकी मालिक हैं तो आप किस आधार पर यहां आए और आपने किस आधार पर नगर परिषद के निमार्णाधीन परिसर की दीवार तोड़ने की बात की और जो भी जनप्रतिनिधि और अधिकारी कर्मचारी आया उसको दादागिरी दिखलाई। इसके बाद क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग रेस्ट हाउस से निकले और जिला आबकारी अधिकारी के साथ शराब ठेका हटाए जाने को लेकर चर्चा की। रेस्ट हाउस में उपस्थित महिलाओं से हरदीप सिंह डंग ने वादा भी किया कि यहां अभी किसी भी हालत में शराब ठेका नहीं लगेगा।